वार्षिक 300/- रूपए
website : www.vhp.org

मूल्य 15 रूपए
कुल पृष्ठ - 28

राष्ट्रीय पुनर्जागरण का पाक्षिक

हिन्दू विश्व

मई 16-31, 2025

भारतीय सेना का
सटीक एयरस्ट्राइक
आतंकिस्तान के आतंकी अड्डे मिले मिट्टी में

@eHinduVishwa
/HinduVishwa

गंजबासौढा (म.प्र.) में विश्व हिन्दू परिषद जिला कार्यालय अशोक भवन का लोकार्पण करते विहिप संगठन महामंत्री श्री मिलिंद पराडे

पटना स्थित बिहार चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के सभागार में विहिप की युवा इकाई बजरंग दल द्वारा 'वीर बजरंगी धर्म सभा' को संबोधित करते बजरंग दल के राष्ट्रीय संयोजक श्री नीरज दौनेरिया तथा कार्यक्रम में उपस्थित बजरंग दल के कार्यकर्ता

विश्व हिन्दू परिषद, धर्मप्रसार विभाग जिला अलीराजपुर (मालवा प्रान्त) के तत्वावधान में दशा माता मंदिर छोटी जुवारी (उदयगढ़) में पुजारी भगत सम्मेलन का आयोजन

हिन्दू विश्व

राष्ट्रीय पुनर्जागरण का पाक्षिक

16-31 मई, 2025

ज्येष्ठ कृष्ण - शुक्ल पक्ष

पिंगल संवत्सर

वि. सं. - 2082, युगाब्द- 5127

सम्पादक

विजय शंकर तिवारी

सह सम्पादक

मुरारी शरण शुक्ल

मो. - 7217685539

परामर्शदाता

सर्वश्री राजेन्द्र शर्मा, धर्मनारायण शर्मा, विजय कुमार, रवि पराशर

व्यवस्थापक

श्री दूधनाथ शुक्ल

मो. - 09582555152

सज्जा

श्री महेश कुशवाहा

कार्यालय :

'हिन्दू विश्व'

संकटमोचन आश्रम, प्रभाग - 6

रामकृष्णपुरम्,

नई दिल्ली-110022-05

दूरभाष : 09582555152

011-26178992, 011-26103495

hinduvishwa@gmail.com

- : मूल्य :-

विदेशों के लिए	$ 75 USD
वार्षिक डाक व्यय सहित	
एक प्रति	15/-
वार्षिक	300/-
त्रिवर्षीय	750/-
पंचवर्षीय	1,200/-
दसवर्षीय	2,250/-
पन्द्रह वर्षीय	3,100/-

पत्रिका की सदस्यता हेतु क्यूआर कोड स्कैन करें, उसका स्क्रीन शॉट और अपना पता व्यवस्थापक को 9582555152 नम्बर पर भेजें।

वैधानिक सूचना

- 'हिन्दू विश्व' में प्रकाशित सामग्री लेखकों के निजी विचार हैं। सम्पादक एवं प्रकाशक का उनसे सहमत होना आवश्यक नहीं है।
- 'हिन्दू विश्व' से सम्बन्धित सभी वाद प्रकाशन तिथि से 3 महीने के अन्दर केवल नई दिल्ली स्थित न्यायालय में होंगे।

कुल पेज - 28

घड़ियाल, अजगर, कछुए, मछली और जलचर प्राणियों पर आप अपने तेज आयुधों को फेंकते हैं। हे रुद्रदेव ! आपकी सीमा से परे कुछ भी नहीं। आप सम्पूर्ण भूमण्डल को एक ही दृष्टि से देखने में समर्थ हैं। आप पूर्व और उत्तर समुद्रों तक में व्याप्त पृथ्वी पर आघात करते हैं।।

– अथर्ववेद

पाक अधिकृत कश्मीर का भारत में विलय ही मृतकों को सच्ची श्रद्धांजली होगी	08
पाक को सबक सिखाना एवं आतंकवाद को उखाड़ना होगा	11
भारत कोई धर्मशाला नहीं	13
पंथ निरपेक्षता की खिल्ली उड़ाते कानून	15
शस्त्र शक्ति के बिना हिन्दुओं का 100 वर्ष तक स्वतंत्र रहना मुश्किल	17
कब और कैसे खाएं दही	18
पश्चिम बंगाल में अविलम्ब लगाया जाए राष्ट्रपति शासन : विहिप	19
...हिंदुओं की नृशंस हत्याओं के विरोध में विहिप, हरिद्वार का विरोध प्रदर्शन	20
...हिंदू परिषद ने कश्मीर के पहलगाम में आतंकवादी हमले की कड़ी निंदा की	21
पहलगांव हमले को लेकर राजसमंद में आक्रोश प्रदर्शन	22
दो दिवसीय कार्यकर्ता अभ्यास वर्ग	23
विश्व हिन्दू परिषद जिला कार्यालय अशोक भवन का लोकार्पण हुआ	24
हिंदुओं में शौर्य का जागरण करना ही बजरंग दल का मुख्य कार्य – नीरज दौनेरिया	25
...पाक अधिकृत कश्मीर की मुक्ति का सही समय : आलोक कुमार	26

सुभाषित

अजीर्णे भेषजं वारि जीर्णे तद् बलप्रदम्।
भोजने चामृतं वारि भोजनान्ते विषप्रदम्।।

अपच की औषधि जल–सेवन है। खाना पूरी तरह हजम हो जाने के बाद पानी पीना बल देने वाला है तथा भोजन के बीच अल्प मात्रा में घूँट–घूँट जल का सेवन अमृत की तरह हितकारी है। लेकिन खाने के अंत में पानी पीना (विष) जहर की तरह हानिकारक है।

सम्पादकीय

विजय शंकर तिवारी

पाकिस्तानी आतंकी कारखाने जलकर भष्म

भारत एक प्राचीन सभ्यता है, जिसने विश्व को शांति, सहिष्णुता और मानवता का संदेश दिया है। किंतु दुर्भाग्यवश, हमारे पड़ोसी देश पाकिस्तान ने इन मूल्यों के विपरीत आतंकवाद को अपने राजनीतिक और रणनीतिक उपकरण के रूप में अपनाया है। यह कोई आरोप नहीं, बल्कि दशकों से चले आ रहे घटनाक्रमों और अंतरराष्ट्रीय प्रमाणों से सिद्ध तथ्य है कि पाकिस्तान आतंकवादियों के निर्माण और पोषण का कारखाना चला रहा है – और भारत उसकी सबसे बड़ी कीमत चुका रहा है।

1947 में देश विभाजन के समय से ही पाकिस्तान की भारत विरोधी मानसिकता स्पष्ट हो गई थी। इसके बाद 1948, 1965 और 1971 के युद्धों में खुली सैन्य टक्कर दी गई, किंतु जब सैन्य मोर्चे पर विफलता हाथ लगी, तब पाकिस्तान ने 'छद्म युद्ध' का रास्ता चुना। 1980 के दशक में आईएसआई ने आतंकवाद को एक रणनीतिक हथियार के रूप में अपनाया, विशेषतः पंजाब और जम्मू–कश्मीर में। इसका स्पष्ट प्रमाण खालिस्तान आंदोलन में पाकिस्तान की भूमिका और बाद में जम्मू–कश्मीर में प्रशिक्षित आतंकवादियों की घुसपैठ है।

1993 के मुंबई बम धमाकों से लेकर 2001 के संसद पर हमले और 2008 के 26/11 के नरसंहार तक – सब घटनाओं की कड़ियाँ पाकिस्तान से जुड़ती हैं। 26/11 जैसे भयावह हमले में अजमल कसाब सहित लश्कर–ए–तैयबा के आतंकवादी पाकिस्तान में प्रशिक्षित थे। भारत ने इसके वीडियो साक्ष्य, कॉल रिकॉर्ड्स और डीएनए प्रमाण तक विश्व समुदाय के समक्ष रखे। अमेरिका, ब्रिटेन और फ्रांस सहित कई देशों ने यह स्वीकारा कि ये हमले पाकिस्तान की धरती से संचालित किए गए। केवल भारत ही नहीं, बल्कि अफगानिस्तान, ईरान और यहाँ तक कि अमेरिका भी पाकिस्तान को आतंकवाद के गढ़ के रूप में पहचान चुके हैं। 2011 में अमेरिकी स्पेशल फोर्स ने अल–कायदा प्रमुख ओसामा बिन लादेन को पाकिस्तान के एबटाबाद में मारा – वह स्थान जहाँ पाकिस्तानी सेना की बड़ी छावनी थी। क्या यह संयोग था या साजिश?

2016 के उरी हमले और 2019 के पुलवामा आत्मघाती विस्फोट ने पुनः सिद्ध किया कि पाकिस्तान की धरती से संचालित आतंकवादी संगठन, जैसे जैश–ए–मोहम्मद और हिज्बुल मुजाहिदीन, भारत में अस्थिरता फैलाने के लिए निरंतर प्रयासरत हैं। पुलवामा हमले के बाद भारत ने बालाकोट में एयर स्ट्राइक कर आतंकियों के ठिकानों को नष्ट किया–यह स्पष्ट संदेश था कि भारत अब केवल सहन नहीं करेगा, प्रत्युत्तर भी देगा। संयुक्त राष्ट्र की सूची में मसूद अजहर, हाफिज सईद, जकी–उर–रहमान लखवी जैसे कई आतंकवादी वैश्विक आतंकवादी घोषित किए जा चुके हैं। ये सभी पाकिस्तान में खुलेआम रहते रहे हैं, उन्हें राज्य संरक्षण प्राप्त है। यहाँ तक कि पाकिस्तान FATF की ग्रे लिस्ट में वर्षों तक रहा है और अभी भी उस पर अंतरराष्ट्रीय दबाव बना हुआ है। भारत, जिसने महात्मा गाँधी और बुद्ध की भूमि के रूप में विश्व को 'अहिंसा परमो धर्मः' का पाठ पढ़ाया, वह आज इस आतंक के षड्यंत्र का सबसे बड़ा शिकार है। लेकिन अब भारत न तो शिकार है, न मौन दर्शक। हमने कूटनीति, सैन्य शक्ति और वैश्विक समर्थन– तीनों मोर्चों पर आतंकवाद के विरुद्ध निर्णायक कदम उठाए हैं। भारत अब विश्व मंच पर यह सुस्पष्ट कर चुका है कि "आतंकवाद और वार्ता एक साथ नहीं चल सकते।"

आज आवश्यकता है कि विश्व समुदाय पाकिस्तान की इस दोहरी नीति– एक ओर शांति की बात करना और दूसरी ओर आतंक को पनाह देना– को उजागर करे और कठोर कार्यवाही करे। भारत अपने नागरिकों की सुरक्षा के लिए हर आवश्यक कदम उठाएगा, चाहे वह सीमा पार हो या सीमा के भीतर। पाकिस्तान को समझना होगा कि आतंक के कारखाने केवल दूसरों को नहीं, स्वयं को भी नष्ट करते हैं। इतिहास गवाह है कि जो राष्ट्र हिंसा को पालते हैं, वे अंततः उसी हिंसा में जलकर भस्म हो जाते हैं।

आज आवश्यकता है कि विश्व समुदाय पाकिस्तान की इस दोहरी नीति- एक ओर शांति की बात करना और दूसरी ओर आतंक को पनाह देना- को उजागर करे और कठोर कार्यवाही करे। भारत अपने नागरिकों की सुरक्षा के लिए हर आवश्यक कदम उठाएगा, चाहे वह सीमा पार हो या सीमा के भीतर। पाकिस्तान को समझना होगा कि आतंक के कारखाने केवल दूसरों को नहीं, स्वयं को भी नष्ट करते हैं। इतिहास गवाह है कि जो राष्ट्र हिंसा को पालते हैं, वे अंततः उसी हिंसा में जलकर भस्म हो जाते हैं।

सेना ने दिखाया सिन्दूर का शौर्य

सटीक मिसाइल हमले से बिलबिलाया पाकिस्तान

मुरारी शरण शुक्ल
सह सम्पादक हिन्दू विश्व

भारतीय वायु सेना ने पाकिस्तान के 9 प्रमुख आतंकी ठिकानों पर एयर स्ट्राइक किया है। बहावलपुर, शकरगढ़, मुरीदके, तेहराकलां, सियालकोट, बरनाला, कोटली, बाघ, मुजफ्फराबाद में हुए ये हमले, भारतीय वायु सेना ने अपनी भारतीय वायु सीमा के भीतर से किया है। 2019 में बालाकोट की तरह, पहलगाम हमले के 15 दिन बाद ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से वायु सेना ने पाकिस्तान के आतंकी ठिकानों पर हवाई हमला कर आतंक की फैक्ट्रियों को मिट्टी में मिलाया।

एयरस्ट्राइक का कारण

भारत सरकार ने तकनीकी डेटा, जीवित बचे लोगों के बयानों और अन्य सबूतों सहित ठोस सबूतों का हवाला देते हुए पाकिस्तान स्थित आतंकवादी समूहों को इसके लिए जिम्मेदार ठहराया। उन आतंकियों, उनके आका और उनके सहयोगियों के सोशल मिडिया एकाउंट्स से पोस्ट किए गए जानकारियों से भी कई साक्ष्य मिले।

आधी रात को थर्राया पाकिस्तान!

9 ठिकानों पर हमला, आतंकियों के अड्डे ध्वस्त। भारत ने पहलगाम हमले का बदला ले लिया है। 6–7 मई को आधी रात को भारतीय सेना ने ऑपरेशन सिंदूर को अंजाम दिया। भारत ने पाकिस्तान में घुसकर जिन आतंकी ठिकानों पर हमला बोला है, उसमें जैश–ए–मोहम्मद से लेकर लश्कर–ए–तैयबा तक का मुख्यालय शामिल है। भारत ने हमले के बाद कहा कि उसने सिर्फ पाकिस्तान में बने आतंकियों के ठिकानों पर हमला बोला है, यह जंग नहीं है। पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत की ओर से की गई इस कार्रवाई में सेना के तीनों अंगों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इन हमलों में लश्कर–ए–तैयबा के 3, हिजबुल मुजाहिदीन के 2 और जैश–ए–मोहम्मद के 4 ठिकाने तबाह किए गए हैं।

हमले का विवरण

भारत ने 24 मिसाइलें दागी, पाँच सौ से अधिक आतंकी मरे। 25 मिनट तक हुए ये हमले। रात 1.05 से 1.30 तक हुए हमले। पाकिस्तान में 21 आतंकी ठिकाने थे निशाने पर। सेना ने 9 आतंकी ठिकानों पर किए हमले। शहबाज शरीफ ने कहा कि हमले 5 लोकेशन्स पर हुए। भारतीय सेना ने पीओके की 5 जगहों पर और पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में 4 जगहों पर एयर स्ट्राइक किया है। यूएन के कहे अनुसार कार्रवाई की गई। पहलगाम हमले के दो हफ्ते तक भी पाकिस्तान ने कार्रवाई नहीं की, तब भारत ने आत्मरक्षा में यह कार्रवाई किया है। हमले में पाकिस्तान के किसी भी नागरिक को नुकसान नहीं हुआ है। भारत ने मार गिराये पाकिस्तान के दो फाइटर जेट– F 16 के बाद JF 17 को आकाश मिसाइल से किया धराशाई।

रॉ ने 21 ठिकानों की सूची दी, 9 पर मिसाइलों से हमला किया

ऑपरेशन सिंदूर की 3 मई को प्लानिंग हुई, 5 मई को स्विकृति मिली, ऑपरेशन में शामिल अफसर 4 दिनों तक साउथ ब्लॉक में बंद रहे। रॉ ने 21 टारगेट बताये। एक सैन्य अधिकारी ने नाम न बताने की शर्त पर बताया कि रॉ और राष्ट्रीय तकनीकी अनुसंधान संगठन ने 21 आतंकवादी स्थलों की पहचान की। इनमें से 9 उच्च प्राथमिकता वाले लक्ष्य चुने गए। एनएसए अजीत डोभाल ने तीनों सशस्त्र बलों की एक टीम गठित की, जिसका स्पष्ट मिशन था–जैश–ए–मोहम्मद और लश्कर–ए– तैयबा के शीर्ष नेतृत्व पर हमला करना। साउथ ब्लाक में हुई मिटिंग में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, रक्षामंत्री राजनाथ सिंह, आर्मी चीफ जनरल उपेन्द्र द्विवेदी, एयरफोर्स चीफ मार्शल अमरप्रीत सिंह, नेवी चीफ एडमिरल दिनेश कुमार त्रिपाठी इत्यादि शामिल थे।

जैश–ए–मोहम्मद का मुख्यालय बहावलपुर तबाह

बहावलपुर 1999 में आईसी–814 के अपहृत यात्रियों के बदले मसूद अजहर की रिहाई के बाद जैश–ए–मोहम्मद आतंकी समूह का केंद्र बन गया। तब से यह समूह भारत में कई आतंकी हमलों में शामिल रहा है, जिसमें 2001 में संसद

पर हमला भी शामिल है। भारतीय वायुसेना के फाइटर जेट्स ने बहावलपुर में बने जैश ए मोहम्मद के मुख्यालय को ही उड़ा दिया है।

मुरीदके में लश्कर का मुख्यालय तबाह

जैश ए मोहम्मद के साथ–साथ लाहौर से 30 किलोमीटर दूर मुरीदके में भी भारतीय वायुसेना ने हमला बोला है। मुरीदके 1990 से लश्कर–ए–तैयबा का मुख्यालय रहा है। इसका नेतृत्व हाफिज सईद करता है और यह मुंबई में 26/11 के आतंकी हमले के लिए जिम्मेदार है।

अपनों को खोने का खौफ

निर्दोषों और मासूमों को काफिर कहकर मारने का खेल पड़ा महंगा। मसूद अजहर के परिवार के 14 लोग और हाफिज सईद के परिवार के 10 लोग मारे गये भारतीय सेना की इस कार्रवाई में। अब अपने परिवार के लोगों की लाश देखकर, जनाजे में शामिल भी नहीं हो सकते, बस रोने को मजबूर हैं, आतंक के ये सौदागर। मौत का यह मंजर देखकर अजहर बोला, यह देखने से पहले काश मैं भी मर जाता। डीयर अजहर और हाफिज! जब तुम्हारे आतंकी गुर्गे मासूम हिन्दुओं की हत्या करते हैं, तो उनके परिजनों को भी ऐसी ही पीड़ा होती है, यह दुख तुम अनुभव करो, इसीलिए तुम्हें जिन्दा छोड़ा गया है।

कौन–कौन से ठिकाने हुए ध्वस्त?

मसूद अजहर और हाफिज सईद के आतंकी एसोसिएट्स तो खत्म हो ही गए, इनके हेडक्वार्टर, प्रमुख बिल्डिंग संरचना और वहाँ पल रहे प्रशिक्षण नेटवर्क को ध्वस्त कर दिया गया। निम्न नौ स्थानों पर हमले हुए–

महिला अधिकारियों द्वारा ऑपरेशन सिन्दूर का विवरण

बुधवार को प्रातःकाल 10.30 बजे भारतीय सेना की दो महिला अफसरों थलसेना की कर्नल सोफिया कुरैशी तथा वायुसेना की विंग कमांडर व्योमिका सिंह ने विदेश सचिव विक्रम मिस्त्री के साथ प्रेस सम्मेलन में ऑपरेशन सिन्दूर का विवरण सांझा किया। कर्नल सोफिया ने एयरस्ट्राइक का विडियो दिखाने के बाद पूरे पराक्रम का विवरण प्रस्तुत किया, तो विंग कमांडर व्योमिका ने कहा कि वर्तमान स्थिति को बढ़ाने की कोशिश हुई, तो भारतीय सेनाएँ जबाब देने के लिए तैयार हैं।

वायुसेना को खुली छुट

ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारतीय वायुसेना को खुली छूट दी गई है। अगर उन्हें कुछ संदिग्ध दिखाई दे, तो वे पूरी ताकत के साथ जवाबी कार्रवाई कर सकते हैं। एयरस्ट्राइक के बाद से पाकिस्तान लगातार एलओसी पर फायरिंग कर रहा है। सीमा पार से हो रही इस कायराना हरकत को देखते हुए अब भारतीय वायुसेना को खुली छूट दे दी गई है। वायुसेना से साफ कहा गया है कि अगर उन्हें कुछ संदिग्ध दिखाई दे, तो वे पूरी ताकत के साथ जवाबी कार्रवाई कर सकते हैं।

पाकिस्तानी जेट धराशाई

जम्मू–कश्मीर के अखनूर के भारदा कलां में एक पाकिस्तानी जेट गिरने का समाचार है। पूर्व वायू सेना अधिकारी ने इसे JF–17 बताया है। पायलट भी गिरा है, जिसकी तलाशी जारी है। सेना घटनास्थल पर पहुँच गई है। 6–7 की रात में की गई एयरस्ट्राइक (ऑपरेशन सिंदूर) के बाद पाकिस्तान ने बौखलाहट में अपने फाइटर जेट्स भारत में भेजा, जिसे मार गिराया गया। 3 पाकिस्तानी फाइटर जेट्स जम्मू–कश्मीर में और 1 के पंजाब में मार गिराये जाने के समाचार हैं। पाकिस्तान द्वारा भारतीय फाइटर जेट्स को मार गिराये जाने के समाचार झूठे हैं और प्रोपेगेंडा के तहत फैलाये जा रहे हैं।

क्र.	शहर	ठिकाना	संगठन
1.	सियालकोट,	महमूद जोयम,	हिजबुल मुजाहिदीन
2.	मुरिदके,	मरकज तैयबा,	लश्कर–ए–तैयबा
3.	कोटली,	मरकज अब्बास,	जैश–ए–मोहम्मद
4.	तेहरा कलां,	सरजल,	जैश–ए–मोहम्मद
5	कोटली,	गुलपुर,	हिजबुल मुजाहिदीन
5.	मुजफ्फराबाद,	सैयदना बिलाल कैम्प,	जैश–ए–मोहम्मद
6.	बरनाला,	मरकज अहले हदीस,	लश्कर–ए–तैयबा
7.	बहावलपुर,	मरकज अल्लाहहदीस,	जैश–ए–मोहम्मद
8.	शावई नाला कैम्प,	मुजफ्फराबाद,	लश्कर–ए–तैयबा

देश के 28 हवाई अड्डों पर ऑपरेशन बंद

पाकिस्तान में सेना द्वारा किए गए हमले के बाद ये 28 हवाई अड्डे अस्थाई रूप से बंद कर दिए गए हैं। दिल्ली से उत्तर के लगभग सभी हवाई अड्डे बंद किए गए हैं। घटना के दिन प्रातःकाल 11 हवाई अड्डे बंद किए गए थे, लेकिन स्थिति की गम्भीरता और सुरक्षा आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए इनकी सँख्या क्रमशः बढ़ाई गई। लगभग 300 फ्लाइट्स कैंसिल किए गए हैं। एयर इंडिया, इंडिगो, स्पाइस जेट ने 15 शहरों में

उड़ाने रद्द की हैं। पाकिस्तान पर एयरस्ट्राइक के बाद भारत ने 7 राज्यों के 28 एयरपोर्ट्स पर फ्लाइट्स ऑपरेशन बंद किए हैं। इनमें बड़े एयरपोर्ट श्रीनगर, जम्मू, लेह, शिमला, पठानकोट, चंडीगढ़, बीकानेर, जोधपुर, राजकोट, धर्मशाला, अमृतसर और जामनगर हैं। अगले आदेश तक उत्तर भारत के सभी एयरपोर्ट बंद रहेंगे।

पाकिस्तानी सेना ने एलओसी पर की भारी गोलीबारी

वैसे तो पहलगाम में आतंकी हमला करते ही पाकिस्तान ने जम्मू–कश्मीर की सीमाओं पर गोलीबारी शुरु कर दी थी, लेकिन अब एयरस्ट्राइक होने के बाद से यह गोलीबारी बढ़ गई है। पहले छोटे हथियारों से यह हमले हो रहे थे लेकिन बुधवार, 7 मई को पाकिस्तानी सेना ने जम्मू कश्मीर में नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पास स्थित गाँवों को निशाना बनाकर मोर्टार से भारी गोलाबारी की। इस हमले में चार बच्चों, एक सैनिक समेत 13 लोगों का बलिदान हो गया।

पलवल निवासी सैनिक का सीमा पर बलिदान

7 मई 2025 को पाकिस्तान से हो रही गोलीबारी में पलवल, हरियाणा का एक नौजवान सैनिक दिनेश कुमार शर्मा, पुत्र श्री दयाचंद शर्मा, ग्राम–गुलावत, जिला पलवल, हरियाणा का रहने वाला देश की रक्षा के लिए लड़ते–लड़ते अपने प्राणों का बलिदान दिया।

DG ISPR का बयान

'पाकिस्तान अपने हिसाब से समय और स्थान पर इसका जवाब देगा। इसका जवाब दिया जाएगा।' ISPR ने अपने बयान में कहा, 'भारत की अस्थायी खुशी की जगह स्थायी दुख ले लेगा।'

वायु सेना का आधिकारिक बयान

आतंकी ठिकानों पर एयर स्ट्राइक के बाद भारतीय सेना ने कहा है कि न्याय किया गया है। भारतीय सेना ने कहा, 'न्याय हुआ। जय हिंद।' वायु सेना ने हमले के बाद जारी बयान में कहा कि कुछ समय पहले, भारतीय सशस्त्र बलों ने पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू–कश्मीर में आतंकवादी ढांचे पर हमला करते हुए 'ऑपरेशन सिंदूर' शुरू किया, जहाँ से भारत के खिलाफ आतंकवादी हमलों की योजना बनाई गई और उन्हें निर्देशित किया गया था।

पीआईबी का बयान

पीआईबी की तरफ से जारी बयान में बताया गया है कि कुल मिलाकर 9 लोकेशन को इस स्ट्राइक में निशाना बनाया गया है। भारत ने स्पष्ट कर दिया है कि ये स्ट्राइक टेरर लोकेशन पर की गई है, और इस दौरान किसी भी सैन्य ठिकाने को निशाना नहीं बनाया गया है।

पाकिस्तान के रक्षामंत्री ख्वाजा मुहम्मद आसिफ ने पाकिस्तान के एक टीवी चैनल को दिए इंटरव्यू में कहा कि अगर भारत हमला रोक दे, तो हम भी कुछ नहीं करेंगे।

शाहबाज शरीफ का बयान

शाहबाज शरीफ ने पाकिस्तान की संसद में भारत को माकूल जबाब देने का बयान दिया है। शरीफ ने अपनी ईज्जत बचाने के लिए यह बयान दिया है या फिर युद्ध की नियत से, यह आने वाला समय बतायेगा, वैसे वायुसेना ने कह दिया है कि यदि पाकिस्तान कोई भी युद्धक हरकत करेगा, तो उसको भरपुर जबाब दिया जाएगा।

तीन आतंकियों के जनाजे में पाक सैन्यकर्मी

अब्दुल मलिक, खालिद और मुदस्सिर नामक बड़े आतंकवादियों के जनाजे की नमाज में स्थानीय प्रशासन के अधिकारी शामिल हुए और सैन्यकर्मियों समेत सेना के अधिकारी भी शामिल हुए हैं।

भारत को इजरायल का समर्थन

भारत के आत्मरक्षा के अधिकार को इजरायल का समर्थन मिला है। इजरायल हमें सैन्य सहायता भी उपलब्ध करायेगा आतंक के विरुद्ध इस लड़ाई में।

ऑपरेशन सिंदूर नाम से भावुक हुआ देश

बेटियों की मांग के सिंदूर को उजाड़ने वाले आतंकी हमले के जबाब में इस ऑपरेशन को मोदी ने ही दिया नाम – ऑपरेशन सिंदूर। इस नाम को जिसने भी सुना, वह भावुक हुए बिना नहीं रह पाया। हमारी बेटियों का सुहाग उजाड़ने वालों को ऐसे ही शौर्य के माध्यम से रौंदा जाएगा, यह आतंकियों को बता दिया गया है, इस ऑपरेशन के माध्यम से।

murari.shukla@gmail.com

पाक अधिकृत कश्मीर का भारत में विलय ही मृतकों को सच्ची श्रद्धांजलि होगी

डॉ. उमेश प्रताप वत्स

मार्च में बच्चों की परीक्षा समाप्त होते ही घूमने के शौकीन लोग परिवार सहित पहाड़ों का रूख करते हैं। पहाड़ों में सबसे आकर्षक स्थान बुग्याल माना जाता है। पहाडों की ऊँचाई पर पहुँचकर एक ऐसा मैदानी एरिया आ जाता है, जो चारों ओर ऊँचे–ऊँचे पर्वत शिखरों से घिरा होता है और पर्वत के सीने को चीरती हुई एक से अधिक कई जलधारा बुग्याल में गिरते हुए इसकी शोभा को ओर अधिक बढ़ा देता है। ऐसा ही एक सुन्दर बुग्याल पहलगाम शहर से लगभग छह किलोमीटर दूर बैसरन चीड़ के पेड़ों के घने जंगलों और पर्वतों से घिरा एक विशाल घास का मैदान है, तथा देश व दुनियाँ के पर्यटकों के बीच पसंदीदा स्थान है।

22 अप्रैल को किसने सोचा होगा कि पहलगाम शहर के निकट 'मिनी स्विट्जरलैंड' के नाम से मशहूर पर्यटन स्थल बैसरन में हिंदुस्थान के अलग–अलग राज्यों से भ्रमण हेतु आये सैंकड़ों लोगों में से मंगलवार दोपहर हुए आतंकी हमले में 27 लोगों की मौत हो जायेगी। मृतकों में दो विदेशी व नौ सेना अधिकारी सहित सभी पर्यटक पुरुष थे, जिन्हें धर्म पूछ–पूछकर, कलमा पढ़वाकर, पैंट निकलवाकर खतना हुआ या नहीं हुआ, जाँच के बाद परिवार के सदस्यों के सामने ही जल्लादों ने सिर में गोलियाँ मारकर मौत के घाट उतार दिया। यह 2019 में पुलवामा में हमले के बाद घाटी में हुआ सबसे बड़ा हमला है। इस हमले से भारत के सभी नागरिक पाकिस्तान पर तुरंत कार्यवाई को लेकर रोष प्रदर्शन कर रहे हैं और भारत सरकार कल्पना से परे पाकिस्तान को उसके गुनाह की सजा देने के लिए कमर कस चुकी है।

धर्म के आधार पर भारत से अलग पाकिस्तान का निर्माण भी सांप्रदायिक सद्भाव व शांति को कायम नहीं रख पाया। तत्कालीन नेताओं के जल्दबाजी में पाकिस्तान निर्माण के किये गये निर्णय ने 1947 से आज तक लाखों लोगों के जीवन को अपने आगोश में ले लिया। पाकिस्तान ने अलग देश के रूप में आजाद होते ही 1948 में ही भारत पर हमला कर दिया। फिर 1965, 1971 व 1999 के युद्धों के अतिरिक्त भी भारत की सीमाओं पर लगातार घुसपैठियों की मदद कर भारत को परेशान करता रहा। 2014 से पहले भारत में अधिकतर सरकारें ऐसी मानसिकता वाले लोगों की रही, जो पाकिस्तान के सामने घुटने ही टेकते रहे, किंतु अब समय बदल चुका है, अब सिंधु का जल प्रलय के लिए पाकिस्तान को ललकार रहा है। अब भारत के प्रधानमंत्री कल्पनाओं से परे आश्चर्यचकित कर जाने वाले सिंह ताल पर कदम उठाने के लिए जाने जाते हैं। अब भारत की जीवंत सरकार एटमी गीदड़ भभकियों का जवाब देने में समय व्यर्थ नहीं करना चाहती, अपितु पाकिस्तान को कैसे खंड–खंड किया जाये, इसकी योजना को मूर्त रूप देने में व्यस्त है। जहाँ एक ओर भारत के टैंक, युद्धपोत, मिसाइलें बदला लेने के लिए गरजने को तैयार हैं, वहीं दूसरी ओर अरिदल को मसलकर धूल में मिला देने वाले भारतीय सैनिक पाकिस्तान की रीढ़ तोड़ने को बेचैन हैं। पूरा देश चीख–चीखकर कह रहा है कि अब शीघ्र पाकिस्तान पर आक्रमण करो, पाक अधिकृत कश्मीर को भारत में मिलाकर 27 मृतकों की आत्मा को सच्ची श्रद्धांजलि अर्पित करो।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस घटना के बाद पाकिस्तान का ऐसा इलाज करना चाहते हैं कि इसके बाद पाकिस्तान स्वप्न में भी भारत में कोई दंगा–फसाद कराने के बारे में सोचता हुआ कांपने लगे। मोदी ने मन की बात कार्यक्रम में कहा कि 370 धारा समाप्त करने के बाद 'जम्मू–कश्मीर में पर्यटकों की सँख्या में अभूतपूर्व बढ़ोतरी हो रही थी और लोगों की कमाई बढ़ रही थी, लेकिन देश के दुश्मनों को और जम्मू कश्मीर के दुश्मनों को ये रास नहीं आया। आतंकी चाहते हैं कि कश्मीर फिर से तबाह हो जाए।'

'मन की बात' कार्यक्रम में पीएम मोदी ने एक बार फिर से पहलगाम हमले को लेकर दुख जताया और साथ ही पहलगाम के दोषियों को कड़ी सजा देने की बात दोहराई। उन्होंने कहा कि 'पहलगाम की घटना ने देशवासियों को पीड़ा पहुँचाई है और इसे लेकर देशवासियों के मन में गहरी पीड़ा है। लोग पीड़ित परिजनों के दर्द को महसूस कर सकते हैं। हर भारतीय का खून आतंक की तस्वीरों को देखकर खौल रहा है। ऐसे समय में जब कश्मीर में शांति लौट रही थी और लोकतंत्र मजबूत हो रहा था। पर्यटकों की सँख्या में अभूतपूर्व बढ़ोतरी हो रही थी और लोगों की कमाई बढ़ रही थी, लेकिन देश के दुश्मनों को और जम्मू–कश्मीर के दुश्मनों को ये रास नहीं आया। आतंकी चाहते हैं कि कश्मीर फिर से तबाह हो जाए। इस मुश्किल वक्त में 140 करोड़ देशवासियों की एकता सबसे बड़ा आधार है।' अब आतंकियों को और इन्हें पालने वालों को मिट्टी में मिलाने का समय आ गया है। पहलगाम हमले के दोषियों को चेतावनी देते हुए उन्होंने कहा था कि 'आज बिहार की सरजमीं से मैं पूरी दुनियाँ से यह कहना चाहता हूँ कि भारत इन लोगों की पहचान करेगा, उन्हें ढूंढेगा और हर आतंकी तथा उनकी मदद करने वालों को सजा देगा। हम उन्हें पृथ्वी के अंतिम छोर तक खदेड़ देंगे।' प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि 'यह हमला सिर्फ निहत्थे पर्यटकों पर नहीं हुआ है, देश के दुश्मनों ने भारत की आत्मा पर हमला करने का दुस्साहस किया है। मैं बहुत स्पष्ट शब्दों में कहना चाहता हूँ कि जिन्होंने यह हमला किया है, उन आतंकियों को और इस हमले की साजिश रचने वालों को उनकी कल्पना से भी बड़ी सजा मिलेगी। अब आतंकियों की बची–खुची जमीन को भी मिट्टी में मिलाने का समय आ गया है। 140 करोड़ भारतीयों की इच्छाशक्ति अब आतंक के आकाओं की कमर तोड़कर रहेगी।'

सरकारें ऐसी मानसिकता वाले लोगों की रहीं, जो पाकिस्तान के सामने घुटने ही टेकते रहे, किंतु अब समय बदल चुका है, अब सिंधु का जल प्रलय के लिए पाकिस्तान को ललकार रहा है। अब भारत के प्रधानमंत्री कल्पनाओं से परे आश्चर्यचकित कर जाने वाले सिंह ताल पर कदम उठाने के लिए जाने जाते हैं। अब भारत की जीवंत सरकार एटमी गीदड़ भभकियों का जवाब देने में समय व्यर्थ नहीं करना चाहती, अपितु पाकिस्तान को कैसे खांड–खांड किया जाये, इसकी योजना को मूर्त रूप देने में व्यस्त है।

यद्यपि यह अच्छी बात है कि जनता का मन पढ़ने के बाद अनचाहे ही सही विपक्षी दल भारत सरकार के समर्थन में खड़े हैं, किंतु अपने तुष्टीकरण के एजेण्डे के अनुरूप कभी राबर्ट वाड्रा, कभी मणिशंकर अय्यर जैसे नेताओं से अपनी इच्छानुसार बयान दिलवा ही देते हैं। इधर पाकिस्तान में भारत का मूड देखकर खलबली मची हुई है। वे कभी डराने वाले, कभी डर को छिपाने वाले अनाप–शनाप बयान दे रहे हैं। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री ने कहा कि हम किसी भी दुस्साहस का जवाब देने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं और किसी को भी इस बारे में गलती नहीं करनी चाहिए। यह देश 240 मिलियन लोगों का है और हम अपने बहादुर सशस्त्र बलों के पीछे खड़े हैं। शहबाज ने कहा, 'यह संदेश जोरदार और साफ होना चाहिए। शांति हमारी प्राथमिकता है और हम अपनी अखंडता और सुरक्षा पर कभी समझौता नहीं करेंगे।'

पाक पीएम से पहले पाकिस्तान के पप्पू कहे जाने वाले नेता बिलावल भुट्टो ने विवादित बयान देते हुए कहा था कि सिंधु दरिया में अब या तो पानी बहेगा या फिर खून बहेगा। सिंधु दरिया हमारा है और हमारा ही रहेगा। उल्लेखनीय है कि जम्मू कश्मीर के पहलगाम में आतंकी हमले के बाद भारत ने सख्त रुख अपना लिया है और फ्रंट में सेना ने मोर्चा संभाल लिया है। आतंकी ठिकानों को मिट्टी में मिलाया जा रहा है और उनकी तलाश में घेरेबंदी तेज कर दी गई है। भारत की कार्यवाई का सीधा असर पाकिस्तान में देखा जा रहा है और उसे किसी बड़े सैन्य ऑपरेशन का डर सताने लगा है।

पहलगाम आतंकवादी हमले को लेकर पाकिस्तान के साथ बढ़ते तनाव के बीच भारतीय नौसेना अपनी युद्ध तैयारियों को लगातार पुख्ता करने में जुटी है। भारतीय युद्धपोत अरब सागर में पोजीशन ले चुके हैं। इंडियन नेवी की जहाजों ने लंबी दूरी तक सटीक

आक्रामक हमले के लिए अपने प्लेटफार्म, मिसाइल और वेपन सिस्टम्स को टेस्ट करना जारी रखा है। नौसैनिक भी अपने वॉर ड्रिल को पुख्ता करने में जुटे हैं। हर तरह की स्थिति से निपटने के लिए अभ्यास जारी है। अरब सागर में तैनात भारतीय नौसेना के युद्धपोतों ने हाल ही में कई एंटी–शिप मिसाइलों का परीक्षण किया। भारतीय नौसेना के जहाजों ने लंबी दूरी के सटीक आक्रामक हमलों का अभ्यास किया। नौसेना अधिकारियों ने कहा कि वो किसी भी समय, कभी भी और कहीं भी युद्ध के लिए तैयार हैं।

पाकिस्तान के आर्मी चीफ जनरल आसिम मुनीर के एक बयान को लेकर आशंका जताई जा रही थी। उनके बयान को कश्मीर में हुई आतंकी घटना का कारण माना जा रहा है। सूत्रों के अनुसार, जनरल मुनीर ने कश्मीर को पाकिस्तान की 'जुगुलर वेन' बताया था। उनका यह बयान, US वाइस प्रेसिडेंट जेडी वेंस के दौरे के समय ही, पहलगाम में लश्कर–ए–तैयबा के आतंकी हमले के साथ मेल खाता है। पाकिस्तान की मूर्खता देखिए भारत को एटमी प्रयोग करने की धमकी दे रहा है। जिन लक्कड़बग्घों ने पहले हिन्दुस्थान रूपी शेर को नोचने का प्रयास किया था, वो शेर बूढ़ा बीमार था, तब भी लक्कडबग्घों को उसके घर तक खदेड़ा, किंतु अब हिंदुस्थानी शेर न बीमार है न बूढ़ा है और न ही घर तक खदेड़ता है, अपितु घर में घुसकर, उसकी औकात बताकर मारने के लिए तैयार खड़ा है।

भारत ने 1960 की सिंधु जल संधि को निलंबित करने और पाकिस्तानी नागरिकों के लिए सभी वीजा रद्द करने के अपने फैसले की घोषणा की। पाकिस्तान नागरिकों को वापिस उनके देश में भेजा जा रहा है। भारत के सिंधु जल रोकने वाले निर्णय से तिलमिलाए पाकिस्तानी रेलमंत्री हनीफ अब्बासी ने तनाव को और अधिक बढ़ाते हुए खुलेआम भारत को परमाणु हमले की धमकी दी तथा चेतावनी दी कि पाकिस्तान के शस्त्रागार में गौरी, शाहीन और गजनवी मिसाइलों के साथ–साथ 130 परमाणु हथियार शामिल हैं, जिन्हें 'केवल भारत के लिए' रखा गया है। पाकिस्तान की बेचैनी समझ में आती है। इस समझौते के तहत पाकिस्तान को भारत से तीन नदियों का पानी मिलता है। विश्लेषकों का कहना है कि अगर भारत पानी का कुछ हिस्सा भी रोकता है, तो पाकिस्तान में बर्बादी मचना तय है। पाकिस्तान भारत से मिलने वाले पानी पर बहुत हद तक निर्भर है। यही वजह है कि पाकिस्तान इस फैसले को लेकर बौखलाया हुआ है। शनिवार को पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने कहा था कि अगर भारत ने पानी रोकने की कोशिश की तो पाकिस्तान पूरी ताकत से जवाब देगा।

पाकिस्तान के एक नेता का बयान आता है कि हम एटमी हमला करने को तैयार हैं, दूसरा बोलता है कि हम निष्पक्ष जांच के लिए तैयार हैं। तीसरा कहता है कि भारत ने खुद पहलगाम में हमला करवाकर हमें बदनाम किया और रक्षामंत्री कहता है कि हम अमरीका के लिए पिछले कई दशकों से यह आतंक का गंदा काम कर रहे हैं। उनके आएं–बाएं बयान ही उनका डर स्पष्ट कर रहे हैं और भारत के लिए पाकिस्तान का डरना जरूरी है। भारत को अब बिना देर किए अपने अखंड भारत के संकल्प को पूरा करने के लिए पाक अधिकृत कश्मीर को भारत में मिलाने व पाकिस्तान के बाकी हिस्सों को अलग कराकर भारत में विलय होने के लिए विवश होने की स्थिति में पाकिस्तान को घुटनों के बल खड़ा कर देने का अवसर कदापि गंवाना नहीं चाहिए।

umeshpvats@gmail.com

पहलगाम में हुई हिंदुओं की नृशंस हत्या के विरोध में इस्लामिक जिहाद का पुतला दहन

विश्व हिंदू परिषद, बजरंग दल गाजियाबाद महानगर' द्वारा आज कश्मीर के पहलगाम में हुई हिंदुओं की नृशंस हत्या के विरोध में इस्लामिक जिहाद का पुतला दहन किया गया। विहिप के महानगर अध्यक्ष श्री आलोक गर्ग ने कहा कि विश्व हिन्दू परिषद, बजरंग दल इस घटना की भर्त्सना करता है, यह हमला हिन्दू समाज की अस्मिता को चुनौती देता है, इस्लामिक जिहादियों ने हिंदू हो या मुसलमान पूछ कर हिन्दूओं के सिर पर गोली मार दी, उन्हें कलमा पढ़ने को कहा गया। उन्होंने कहा कि पहलगाम आतंकी हमला पूरे देश को घाव दे गया, 29 लोगों की मृत्यु होने की सूचना है। इस घटना से संपूर्ण हिंदू समाज आक्रोश में है और इसका पुरजोर विरोध करता है, यह कोई आम आतंकी हमला नहीं है, यह पाकिस्तान के भारत के खिलाफ युद्ध की सार्वजनिक घोषणा है। इस अमानवीय घटना से पूरा देश आहत है और इस घटना से साफ है कि आतंकवादी 1990 में आतंकवाद के दिन वापस लाने की कोशिश कर रहे हैं, कुछ लोग कहते हैं कि आतंकवादियों का कोई धर्म नहीं होता, लेकिन इस घटना से स्पष्ट होता है कि आतंकवादियों का धर्म होता है! विश्व हिन्दू परिषद केंद्र सरकार से मांग करता है कि इन आंतकवादियों को जड़ से समाप्त करके घाटी को इनके आंतक से मुक्त करें।

ashwani.av479@gmail.com

पाक को सबक सिखाना एवं आतंकवाद को उखाड़ना होगा

ललित गर्ग

जम्मू–कश्मीर के पहलगाम में हुए बर्बर एवं क्रूर आतंकी हमले से सारा देश गम एवं गुस्से में दिख रहा है, वहीं मोदी सरकार इस बार आर–पार के मूड में दिख रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट कमेटी ऑन सिक्योरिटी (सीसीएस) की बैठक के बाद भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ पाँच बड़े और कड़े फैसले लेते हुए पाकिस्तान पर शिकंजा कसा है, जिससे वह डरा, सहमा और घबराया है। इन पंच शिकंजों में 1960 की सिंधु जल संधि को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है, राजनयिक मिशन की सँख्या घटाई जाएगी, पाकिस्तानी सैन्य राजनयिकों को एक हफ्ते में भारत छोड़ना होगा, पाकिस्तानियों के लिए सार्क वीजा रद्द कर दिया गया है और अटारी बॉर्डर को भी तत्काल प्रभाव से बंद कर दिया गया है। ये कदम जहाँ आतंकवाद के खिलाफ भारत की कड़ी नीति को दर्शाते हैं, वहीं पाकिस्तान को उसकी औकात दिखाने का एक डिप्लोमैटिक स्ट्राइक है, जबकि भीतर–ही–भीतर किसी बड़ी कार्रवाई से इंकार नहीं किया जा सकता। सीमा पार आतंकवाद को लेकर पाकिस्तान पर दबाव बनाने और भारत की सुरक्षा को मजबूत करने की दिशा में मोदी सरकार से अभी अधिक सख्त कार्रवाई की अपेक्षा है और आशा की जा रही है कि सरकार जनता की अपेक्षाओं से भी दो कदम आगे इस बार बदला लेगी। इस बार की तांडवी टंकार एवं हुंकार पाकिस्तान की न केवल कमर तोड़ देगी, बल्कि उसके नापाक मनसूबों को हमेशा के लिए नेस्तनाबूद कर देगी। पाकिस्तान ने अब तक भारत की शांति एवं सहयोग भावना को देखा है, लेकिन अब हिंसा के लिए हिंसा की खनकार देखेगा। निर्दोषों की हत्या करने वालों, विश्वासघात का मार्ग अपनाने वालों एवं निहत्थों पर कहर बरपाने वालों को अब पता लगेगा कि धर्म एवं शांतिवादियों की ताकत क्या होती है?

पाकिस्तान स्थित प्रतिबंधित लश्कर–ए–तैयबा के एक संगठन द रेजिस्टेंस फ्रंट ने निर्दोष पर्यटकों पर किए गए इस कायरतापूर्ण हमले की जिम्मेदारी ली है। इस दुखद घटना ने वर्ष 2008 में दुस्साहसपूर्ण ढंग से मुंबई और भारत को हिलाकर रख देने वाले लश्कर–ए–तैयबा द्वारा रचे गए नरसंहार की याद दिला दी है। यह महज संयोग नहीं कि यह हमला 26/11 के आरोपी तहव्वुर राणा के भारत प्रत्यर्पण और पाक सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर के भारत विरोधी बयान के बाद हुआ। यह हमला पाकिस्तान की अब तक की सबसे बड़ी भूल, अमानवीयता एवं पाशविकता का घिनौना कृत्य बना है। मुनीर ने कश्मीर को अपने देश की 'गले की नस' बताया, लेकिन यही नस अब पाकिस्तान का सर्वनाश करेगी, उसको कड़वे घूंट पीने को विवश करेगी। दाने–दाने को तरसता पाकिस्तान अब त्राहि–त्राहि करते हुए तबाही के कगार पर पहुँचेगा। एक ओर जहाँ बलूच विद्रोह ने मुनीर व सेना की नींद उड़ा रखी है, अब भारत उसकी नींद ही नहीं, सुख–चैन भी छीन लेगा। गैर मुस्लिमों को निशाना बनाना और वह भी अमेरिकी उपराष्ट्रपति जे.डी. वेंस की भारत यात्रा के दौरान–यह स्पष्ट करता है कि आतंकवादियों व उनके आकाओं ने भाजपा के नेतृत्व वाली मोदी सरकार को चुनौती दे दी है और सीधे–सीधे ललकारा है। मोदी सरकार को सस्ते में लेने की भूल के परिणाम पाकिस्तान पहले भी भुगत चुका है, उरी (2016) और पुलवामा (2019) की तरह पहलगाम हत्याकांड में बहा निर्दोषों का रक्त व्यर्थ नहीं जायेगा। जिस तरह श्रीकृष्ण को आसुरी शक्तियों के खिलाफ महाभारत रचना पड़ा, उसी तरह मोदी पाकिस्तान के आतंकवाद के खिलाफ कोई बड़े युद्ध की संरचना करके हमेशा के लिए आतंकवाद का सर्वनाश करें।

पहलगाम हत्याकांड के बाद न केवल समूचे देश में बल्कि कश्मीर घाटी में पहली बार गहरा आक्रोश देखने को मिला है। घाटी में 35 साल बाद पहली बार आतंकी हमले के खिलाफ बंद का आयोजन किया गया है। बुधवार को बंद के आह्वान के बाद श्रीनगर में अधिकांश

व्यापारिक प्रतिष्ठान बंद रहे। लोग सड़कों में दुख और आक्रोश व्यक्त करते नजर आए और कहा कि यह घटना कश्मीर की अतिथि और शांति की भावना के साथ विश्वासघात है। यह घटना कश्मीरियों की रोजी–रोटी पर कुठाराघात है। यह कश्मीर की शांति को लीलने की कुचेष्ठा है। लश्कर–ए–तैयबा से जुड़े आतंकी संगठन के इस हमले का मकसद पर्यटकों में खौफ पैदा करना और घाटी में सामान्य स्थिति की वापसी को रोकना था। यहाँ उल्लेखनीय है कि बीते साल जम्मू–कश्मीर में पैंतीस लाख से अधिक पर्यटक पहुँचे थे; लेकिन पहलगाम जैसी जगह में जहाँ सत्तर फीसदी लोगों की आजीविका पर्यटन से जुड़ी है, वहाँ स्थिति सामान्य होने में अब लंबा वक्त लगेगा। आने वाले दिनों के लिए पर्यटकों ने अपनी यात्राएँ रद्द कर दी हैं।

जम्मू–कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाए जाने के बाद जम्मू–कश्मीर में काफी बदलाव आया था। आतंकवाद लगातार सिमट रहा था, शांति का उजाला हो रहा था। वादियों की रौनक बढ़ी और बाजार गुलजार हो उठे थे। श्रीनगर के लालचौक पर मिलजुल कर त्योहार मनाए जाने लगे थे। बागों में ट्यूलिप के फूल खिल उठे थे। बर्फ की वादियों में मंद–मंद शीतल हवाओं से चिनार के पेड़ झूमने लगे थे। जो देश एवं दुनियाँ के असँख्य पर्यटकों को खींच रहे थे। उम्मीदें बंध गई थीं कि एक न एक दिन आतंकवाद मुक्त जम्मू–कश्मीर नई सुबह देखेगा, लेकिन बढ़ते पर्यटक और मजबूत होती अर्थव्यवस्था पाक को रास नहीं आई। पहलगाम के भयावह हमले ने एक बार फिर सबको खौफजदा कर दिया। जम्मू–कश्मीर में शांति, सौहार्द और विकास पाकिस्तान में बैठे आतंक के आकाओं को नागवार गुजर रहा था। इसलिए पाकिस्तान की सेना, सेना प्रमुख तौकिर मुनीर, उसकी खुफिया एजेंसी आईएसआई और आतंकवादी संगठनों ने मिलकर ऐसी साजिश रच डाली, जिसने उनके धर्म को धुंधलाने एवं शर्मसार करने के साथ पाकिस्तानी इरादों को भी बेनकाब कर दिया।

पाकिस्तान को जवाब देने की तैयारी व्यापक स्तर पर हो रही है, लेकिन प्रश्न यह है कि क्या भारत ऐसी कोई बड़ी कार्रवाई कर सकेगा, जिससे वह सही रास्ते पर आ जाए ? पहलगाम का आतंकी हमला भारत की चेतना और उसकी अस्मिता पर किया गया भीषण हमला है। इस हमले के द्वारा भारत को ललकारा गया है। अब पाकिस्तान को उसी की भाषा में सबक सिखाने के लिए सभी विकल्पों पर विचार होना ही चाहिए। यदि युद्ध अपेक्षित हो तो उसे भी अंजाम देना चाहिए। उसकी परमाणु हमले की धमकियों से आखिर कब तक डरा जायेगा ? इसी के साथ इस पर भी मंथन हो कि आखिर पहलगाम में आतंकी इतनी आसानी से इतने लोगों को मारने में सफल कैसे हो गए ? सीमा पार से आतंकियों की घुसपैठ एवं सक्रियता जारी थी। ऐसे में भारत सरकार, सुरक्षा बलों और खुफिया एजेंसियों को और सतर्क रहना चाहिए था। यह मानने के पर्याप्त कारण हैं कि कश्मीर में जब बड़ी सँख्या में पर्यटक पहुँच रहे थे, तब वहाँ जैसी चौकसी बरती जानी चाहिए थी, उसका अभाव क्यों देखने को मिला ?

जिस तरह से धर्म और नाम पूछकर आतंकवादियों ने हिन्दुओं का नरसंहार किया, उससे समूचा राष्ट्र आक्रोश में है। भारत की बेटी जिसके हाथों की मेहंदी का रंग भी अभी फीका नहीं हुआ था और तीन दिन पहले ही उसकी शादी हुई थी, उसकी अपने पति भारतीय नौसेना के लेफ्टीनेंट विनय नरवाल के शव के साथ तस्वीर देखकर समूचे देश का दिल दहल गया। हैदराबाद के आईबी अधिकारी मनीष रंजन को पत्नी और बच्चों के सामने मार दिया गया, ऐसे ही दर्दनाक दृश्य चारों ओर बिखरे थे। यह हमला वैसा ही है जैसा हमास के आतंकवादियों ने इजराइल पर किया था। आज समूचा राष्ट्र प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ खड़ा है। हर देशवासी चाहता है कि पाकिस्तान को ऐसा सबक सिखाया जाए, जैसा इजराइल ने हमास को सिखाया है। बहरहाल इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना के बाद केंद्र सरकार ने युद्धस्तर पर कार्रवाई प्रारंभ कर दी है। प्रधानमंत्री मोदी ने बिहार में तीव्र गर्जना करते हुए पाकिस्तान को सबक सिखाने का संकल्प व्यक्त किया है। गृहमंत्री अमित शाह ने आतंकवाद के आगे घुटने न टेकने की बात कही है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि हमलावरों को यथाशीघ्र कड़ा जवाब दिया जाएगा। लेकिन अब घाटी की उन आवाजों को भी बुलंद करना चाहिए, जिन्होंने हिंसा को खारिज करके मानवता, देश की एकता एवं घाटी की शांति को चुना है।

lalitgarg11@gmail.com

पहलगांव में हिंदुओं पर हुए कायराना आतंकवादी हमले में मारे गए पर्यटकों को श्रद्धांजलि

आज विश्व हिंदू परिषद एवं बजरंग दल के नेतृत्व में गाँधी चौक, झुंझुनूं में जम्मू–कश्मीर के पहलगांव में हुए हिंदुओं पर कायराना आतंकवादी हमले में मारे गए पर्यटकों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई और आतंकवाद के खिलाफ नारेबाजी की गई। काली पट्टी बांधकर पाकिस्तान का झंडा जलाकर कर विरोध प्रदर्शन किया गया। जिला मंत्री जयराज जांगिड़ ने बताया कि पहलगांव में आंतकवादियों ने धर्म एवं कलमा पढ़ाकर हिन्दुओं को गोली मारी, ऐसा कायरतापूर्वक हमला किया गया, जिसकी विश्व हिन्दू परिषद कड़ी निंदा करता है। भाजपा जिलाध्यक्ष ने बताया कि भारत की खाते हैं, भारत में रहते हैं और भारत के सीने पर चोट करने का प्रयास करते हैं, ऐसे लोग क्षमा के योग्य नहीं हैं। सम्पूर्ण हिन्दू समाज इस घटना को लेकर आक्रोशित है। बजरंग दल जिला संयोजक सुशील प्रजापति ने भारत सरकार से मांग की है कि भारत से आतंकवाद को खत्म करने एवं पाकिस्तान को सबक सिखाने के लिए ठोस कदम उठाए जाएँ, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृती न हो।

bajrangdaljjn@gmail.com

मृत्युंजय दीक्षित

भारत कोई धर्मशाला नहीं

बाँग्लादेशी घुसपैठ के खिलाफ ऐतिहासिक कदम

संसद के बजट सत्र–2025 में बजट के अतिरिक्त भी कई ऐतिहासिक विधेयक पारित हुए है, जिनमें से एक है आव्रजन और विदेशियों विषयक विधेयक – 2025। यह विधेयक भारत को वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने की दिशा में अग्रणी भूमिका निभाने वाला तो है ही, साथ ही भारत की आंतरिक व बाह्य सुरक्षा तंत्र और आर्थिक तंत्र को भी मजबूत बनाने वाला भी है। जब यह विधेयक अधिसूचित होकर पूरे भारत में लागू हो जायेगा, तब बाँग्लादेशी व रोहिंग्याओं की अवैध घुसपैठ सहित अनेक प्रकार के अपराधों पर भी लगाम लग सकेगी। इस विधेयक के कानून बन जाने के बाद कोई भी विदेशी नागरिक पहले की तरह भारत में घुस कर, भारत के किसी भी हिस्से में जाकर निवास करते हुए भारत विरोधी गतिविधियों में संलिप्त नहीं हो पाएगा। अब सीमा पार करने वाले हर व्यक्ति का पूरा डाटा एकत्र किया जाएगा। अभी भारत आने वाले विदेशी नागरिकों का कोई डाटा उपलब्ध नहीं है। यह विधेयक भारत की एकता, अखंडता तथा सुरक्षा के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। इस बिल के लागू हो जाने के बाद अवैध रोहिंग्या/बाँग्लादेशी घुसपैठ पर रोकथाम ही नहीं लगेगी, अपितु ऐसे अराजक तत्व जो समाज में घुल–मिलकर छोटे–मोटे अपराधों में संलिप्त हो रहे हैं तथा समाज का वातावरण प्रदूषित करते हुए लव जिहाद व धर्मांतरण जैसी गतिविधियों में संलिप्त हो जाते हैं, उनसे भी निपटा जा सकेगा।

इस विधेयक पर संसद के दोनों सदनों में चर्चा के दौरान स्पष्ट हुआ कि भारत में अवैध घुसपैठ की समस्या कितना विकराल रूप ले चुकी है। भारत के सभी मेट्रो शहर अवैध अराजक तत्वों के निशाने पर हैं। भारत के अधिकांश सीमावर्ती क्षेत्रों तथा समस्त पूर्वी राज्यों, जिनमें असम और पश्चिम बंगाल प्रमुख हैं, में यह समस्या नासूर बन चुकी है। पश्चिम बंगाल के तीन सीमावर्ती जिलों की डेमेग्राफी अवैध घुसपैठ के कारण बदल चुकी है। गृह राज्यमंत्री नित्यांद राय ने जब सदन में बताया कि बाँग्लादेशी घुसपैठ की सबसे अधिक समस्या काँग्रेस शासित राज्यों कर्नाटक, झारखंड, तेलंगाना तथा तृणमूल काँग्रेस शासित राज्य पश्चिम बंगाल में है, क्योंकि यहाँ की राज्य सरकारें सहयोग नहीं कर रही हैं, तब विपक्षी दलों ने हंगामा करते हुए सदन का बहिष्कार कर दिया। गृहराज्य मंत्री ने अवगत कराया कि बंगाल सरकार सीमा पर बाड़ नहीं लगाने दे रही है, साथ ही उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि सीमा पर टीएमसी के कार्यकर्ता ही बीएसएफ के कार्यों में बाधा डालने का काम कर रहे हैं, जिसके कारण बाँग्लादेशी घुसपैठ पर नियंत्रण नहीं हो पा रहा है। लोकसभा में बहस के दौरान ही गृहमंत्री अमित शाह ने स्पष्ट कर दिया कि भारत कोई "धर्मशाला" नहीं है।

विधेयक पर बहस के दौरान घुसपैठ व शरणार्थी शब्द को स्पष्ट किया गया, क्योंकि विपक्षी दलों के सांसद तुष्टिकरण की विकृत राजनीति के कारण इन दोनों शब्दों का घालमेल कर रहे थे। ये विपक्षी सांसद इस विधेयक को वसुधैव कुटुंबकम की भवना से परे बताकर भ्रम व अराजकता की राजनीति करने का प्रयास कर रहे थे, किंतु

सरकार ने अपने तर्कों से विपक्ष को बेनकाब कर दिया, जिसके परिणामस्वरूप वे राज्यसभा में हंगामा करते हुए सदन से बाहर चले गये। इस नये कानून में विदेशी अधिनियम 1946, पासपोर्ट (भारत में प्रवेश) अधिनियम 1920 विदेशियों का पंजीकरण अधिनियम 1939 और आब्रजन (वाहक दायित्व) अधिनियम 2000 को निरस्त करते हुए एक नया व्यापक कानून बनाने की आवयकता की पहचान करते हुए नया आब्रजन और विदेशी विधेयक 2025 लाया गया है। नये कानून का एक उद्देश्य यह भी है कि कानूनों की बहुलता और अतिव्यापन से बचा जाये तथा विदेशियों से संबंधित मामलों को विनियमित किया जाए, जिसमें वीजा की आवश्यकता, पंजीकरण और अन्य यात्रा संबंधी दस्तावेज (पासपोर्ट) आदि शामिल हैं। इस नये कानून के माध्यम से भारत में प्रवेश करने और बाहर जाने वाले सभी लोगों के लिए सभी प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित किया जा सकेगा।

नये कानून के अनुसार किसी भी विदेशी को बिना वैध पासपोर्ट या दस्तावेजों के भारत आने पर 7 साल की जेल और 10 लाख रुपये का जुर्माना देना होगा। गलत जानकारी देने या दस्तावेजों में गड़बड़ी करने पर 3 साल की जेल और 3 लाख रुपये जुर्माने का प्रावधान किया गया है। भारत में बिना वैध पासपोर्ट या यात्रा दस्तावेजों के माध्यम से प्रवेश करने पर तुरंत हिरासत में लिया जायेगा। अब इस विधेयक के नये नियमों के अनुरूप अगर कोई मामला राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा है, तो अधिक कड़ी कार्यवाही की जायेगी। यह विधेयक केंद्र सरकार को उन स्थानों का नियंत्रण करने का अधिकार भी देता है जहाँ विदेशियों का आना जाना लगा रहता है। इसके तहत मालिक को परिसर को बंद करने, निर्दिष्ट शर्तों के साथ इसके उपयोग की अनुमति देने या सभी या निर्दिष्ट वर्ग के विदेशियों को प्रवेश देने से मना करने का अधिकार का दिया गया है।

निरस्त किए गए कानून की कमियों का लाभ उठाकर ही बड़ी सँख्या में विदेशी नागरिक भारत आ रहे थे, क्योंकि उस कानून में उनकी जांच करने तथा व्यापक पूछताछ की कोई स्पष्ट व्यवस्था नहीं थी। इसी कारण से आज लाखों की सँख्या में अवैध विदेशी नागरिक भारत में रह रहे हैं और अब वह राष्ट्रीय समाजिक सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा बन चुके हैं। गृहमंत्री अमित शाह ने सदन में अपने भाषण के दौरान कहा कि हम नियम बनाकर अवैध घुसपैठ को रोक रहे हैं। हमारी सीमा पर कुछ संवदेनशील स्थान हैं, सेना के अड्डे हैं, उनको दुनियाँ भर के लिए खुला नहीं छोड़ सकते। पहले भी घुसपैठियों को रोका जा सकता था, किंतु कोई नियम नहीं था, अतः हमने नियम बनाने का साहस किया है। इस नये कानून से भारत आने वाले विदेशी नागरिकों की जानकारी पुख्ता होगी। सुरक्षा की दृष्टि से ड्रग्स कार्टल, घुसपैठियों की कार्टल, हवाला व्यापारियों को समाप्त करने की व्यवस्था इस विधेयक में की गई है।

गृहमंत्री अमित शाह ने सदन को बताया कि सबसे अधिक बाँग्लादेशी व रोहिंग्याओं की घुसपैठ बंगाल से हो रही है। अब तक जितने घुसपैठिये पकड़े गये हैं, उनके आधार कार्ड बंगाल के 24 परगना क्षेत्र के हैं। तृणमूल काँग्रेस के कार्यकर्ता ही इन लोगों के अवैध कागज बनवा रहे हैं। नये कानून में अवैध कागज बनवाने वाले भी सजा के दायरे में आ गये हैं। नया कानून 36 धाराओं में निहित है। सभी को कानूनी रूप दिया गया है। सदन में गृहमंत्री ने स्पष्ट कर दिया है कि अब जो भारत में केवल भारत के हित के लिए आयेगा, वहीं यहाँ पर रह सकेगा। अब भारत धर्मशाला नहीं है। सरकार उन लोगों का स्वागत करने के लिए तैयार है, जो पर्यटन, शिक्षा, स्वास्थ्य, सेवा या व्यापार के लिए भारत आना चाहते हैं, सरकार केवल उन लोगों को भारत आने से रोकेगी, जिनके इरादे गलत हैं और जो हमारे लिए खतरा पैदा करेंगे, उनसे गंभीरता से निपटा जायेगा।

इस कानून के माध्यम से भारत में गैरकानूनी तरीके से घुसना और यहाँ बसना मुश्किल हो जायेगा। रोहिंग्या /बाँग्लादेशी घुसपैठ अब चुनाव में भी एक बड़ा मुददा बन गई है। दिल्ली में तो आम आदमी पार्टी के कई विधायक बाँग्लादेशी व रोहिंग्याओं का फर्जी पासपोर्ट, आधार कार्ड व राशन कार्ड आदि बनवा रहे थे, जिनकी जांच चल रही है। केंद्र की सरकार को पूर्ण विश्वास है कि नक्सलवाद, आतंकवाद की तरह आने वाले समय में रोहिंग्या/ बाँग्लादेशी घुसपैठ का भी समाधान हो जायेगा और भारत तीव्रता के साथ विकास के पथ पर अग्रसर हो सकेगा।

ymritvsk1973@gmail.com

पंथ निरपेक्षता की खिल्ली उड़ाते कानून

राजीव सचान

यह कोई नई बात नहीं कि अब संसद से पारित प्रत्येक महत्वपूर्ण कानून को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी जाने लगी है। किसी को इस पर हैरानी नहीं कि वक्फ संशोधन विधेयक के कानून का रूप लेने के पहले ही उसे सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देने की घोषणा होने लगी थी। जैसे ही संसद से पारित इस विधेयक ने कानून का रूप लिया, उसके खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिकाएँ दायर कर दी गईं। आने वाले दिनों में इन याचिकाओं की सँख्या दर्जनों में पहुँच जाए, तो बड़ी बात नहीं, क्योंकि मुस्लिम संगठनों के साथ विपक्षी दलों में यह जताने की होड़ मची है कि उन्हें नया वक्फ कानून रास नहीं आ रहा है। नए वक्फ कानून की संवैधानिकता की सुप्रीम कोर्ट में परख में कोई समस्या नहीं। सुप्रीम कोर्ट में फैसला जो भी हो, यह कहना कठिन है कि यह संशोधित कानून पंथनिरपेक्षता यानी सेक्युलरिज्म की कसौटी पर खरा उतरता है, क्योंकि किसी भी वास्तविक पंथनिरपेक्ष देश में वैसे किसी कानून के लिए कोई स्थान नहीं होना चाहिए, जो पंथ के नाम पर बनाया गया हो।

आखिर किसी समुदाय के धार्मिक या परोपकारी कार्यों के लिए उपयोग होने वाली संपत्ति से जुड़े किसी विवाद को पहले किसी ट्रिब्यूनल में ले जाने की बाध्यता क्यों होनी चाहिए ? ऐसा नहीं है कि भारत तब सेक्युलर यानी पंथनिरपेक्ष बना, जब इंदिरा गाँधी ने आपातकाल के दौरान काँग्रेस को सेक्युलरिज्म के प्रति समर्पित दिखाने के लिए संविधान की प्रस्तावना में सेक्युलर और समाजवादी शब्द नत्थी कराए। भारत तो हजारों वर्ष पहले भी सेक्युलर प्रकृति का था। इसी कारण हमारे संविधान निर्माताओं ने इसी प्रकृति का संविधान बनाया।

नया वक्फ कानून तब पंथनिरपेक्ष कहा जा सकता है, जब ऐसे ही कानून अन्य पंथों के लिए भी बने हों। कथित सेक्युलर भारत में ऐसा नहीं है। वक्फ कानून जैसा कोई कानून अन्य पंथों और यहाँ तक कि शेष अल्पसँख्यक समूहों के लिए भी नहीं है। वक्फ कानून के तहत जो वक्फ बोर्ड हैं, उनके पास एक वक्फ ट्रिब्यूनल भी होता है। देश में किस्म–किस्म के अनेक ट्रिब्यूनल हैं, लेकिन वैसा ट्रिब्यूनल और कोई नहीं, जैसा वक्फ बोर्डों के पास है। एक सच्चे पंथनिरपेक्ष देश में या तो ऐसा ट्रिब्यूनल सभी समुदायों की उन संपत्तियों के संदर्भ में हो या फिर किसी के पास नहीं हो, जिनका उपयोग धार्मिक और परोपकारी कार्यों के लिए होता है। समस्या यह हुई कि सेक्युलरिज्म की मनचाही व्याख्या करते हुए उसे वोट बैंक की राजनीति का जरिया बना लिया गया। नतीजा यह हुआ कि समान नागरिक संहिता का बिल लाने के स्थान पर हिंदू कोड बिल लाया गया। इस विधेयक के जरिए हिंदुओं के विवाह, उत्तराधिकार, तलाक, गोद लेने संबंधी कानून बनाए गए। ऐसा करके बिल्कुल ठीक किया गया, लेकिन कोई नहीं जानता कि अन्य समुदायों को क्यों छोड़ दिया गया? इसी दौरान एक अन्य कानून वक्फ संपत्तियों को लेकर भी

बनाया गया। इसे ही पिछले सप्ताह संसद ने संशोधित किया।

स्वतंत्रता के बाद के दशक में ही अँग्रेजों के बनाए उस कानून को भी कुछ हेर–फेर के साथ बनाए रखा गया, जिसके तहत मंदिरों का संचालन राज्य सरकारों की ओर से किया जाता था। जब अन्य समुदायों को अपने धर्मस्थलों के संचालन का अधिकार प्राप्त है, तो हिंदुओं को क्यों नहीं ? यह समझ आता है कि सरकार धर्मस्थलों के संचालन को लेकर नियम–कानून बनाए, लेकिन इसके नाम पर यह नहीं होना चाहिए कि वह उनका नियंत्रण अपने हाथ में ले ले। समझना कठिन है कि एक ही देश में बहुसँख्यकों और अल्पसँख्यकों के धार्मिक स्थलों के संचालन के लिए दो तरह के कानून क्यों बने हुए हैं ?

पंथनिरपेक्षता की खिल्ली उड़ाने वाले ऐसे कानूनों के निर्माण का सिलसिला किस तरह जारी रहा, इसका एक उदाहरण शिक्षा अधिकार कानून है। इसे इस नेक इरादे से बनाया गया था कि निर्धन वर्ग के छह से 14 वर्ष के बच्चों को मुफ्त शिक्षा प्रदान की जा सके। अल्पसँख्यकों के शिक्षा सँस्थानों को इस कानून से बाहर करके एक अच्छे कानून को भेदभावपूर्ण तो बनाया ही गया, पंथनिरपेक्षता की खिल्ली भी उड़ाई गई। आखिर अल्पसँख्यकों की ओर से संचालित स्कूलों को गरीब बच्चों को मुफ्त शिक्षा देने से छूट क्यों मिलनी चाहिए? जनकल्याण में इस भेद का औचित्य सिद्ध करना कठिन है। विडंबना यह है कि जब शिक्षा अधिकार कानून की इस विसंगति को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई, तो वह उसे नजर नहीं आई। उसने अल्पसँख्यकों के स्कूलों को शिक्षा अधिकार कानून से बाहर रखने को सही ठहराया। स्पष्ट है कि संसद से बने कई कानूनों ही नहीं, सुप्रीम कोर्ट के कुछ फैसलों से भी पंथनिरपेक्षता पर प्रश्नचिह्न लगता है।

यह देखना दयनीय है कि जब हर तरह के भेद समाप्त होने चाहिए, तब कुछ नियम–कानून ही भेदभाव का जरिया बने हुए हैं। अलग–अलग समुदायों के बीच भेद करने वाले कानूनों का दुष्परिणाम यह हुआ है कि पंथनिरपेक्षता यानी सेक्युलरिज्म आज एक हेय शब्द बन गया है। आज वे दल भी सेक्युलरिज्म की बात नहीं करते, जो खुद को सेक्युलर बताया करते थे। निःसंदेह पंथनिरपेक्षता कोई बुरी अवधारणा नहीं है, लेकिन वह तब अवश्य बुरी हो जाती है, जब उसके नाम पर एक ही देश में अलग–अलग समुदायों के लिए भिन्न–भिन्न कानून बनते हैं। यदि देश को वास्तव में सेक्युलर बनाने की कोशिश नहीं होगी तो सेक्युलरिज्म और अधिक बदनाम होगा और यह अच्छा नहीं होगा।

(लेखक दैनिक जागरण में एसोसिएट एडिटर है)
साभार : दैनिक जागरण
sarvodayavinod3811@gmail.com

कश्मीर में हिंदुओं की हत्या के विरोध में पटना में विशाल आक्रोश प्रदर्शन विहिप के आह्वान पर सड़कों पर उतरे सैकड़ों राष्ट्रप्रेमी नागरिक

पटना, 25 अप्रैल 2025। कश्मीर के पहलगाम में हुए जिहादी हमले में हिंदुओं की निर्मम हत्या के विरुद्ध आज पटना की सड़कों पर आक्रोश उमड़ पड़ा। विश्व हिंदू परिषद के राष्ट्रव्यापी आह्वान पर आयोजित इस विरोध प्रदर्शन में सैकड़ों की सँख्या में लोगों ने भाग लिया और पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद के खिलाफ नारेबाजी की। प्रदर्शनकारियों ने हाथों में तख्तियाँ और बैनर लेकर कश्मीर में हो रहे मजहबी नरसंहार की कड़ी निंदा की। भारत माता की जय, पाकिस्तान मुर्दाबाद, आतंकवाद के खात्मे तक चैन नहीं लेंगे, जैसे नारों से पटना की सड़कें गूंज उठीं। विहिप के प्रदेश मंत्री श्री संतोष सिसोदिया ने कहा कि कश्मीर में जो हुआ, वह केवल आतंकवाद नहीं, भारत के विरुद्ध घोषित जिहादी युद्ध है। अब समय आ गया है कि पाकिस्तान और उसके स्लीपर सेल को निर्णायक सबक सिखाया जाए।

प्रदर्शन में कई सामाजिक संगठनों, छात्र समूहों, महिलाओं और युवाओं की भी सहभागिता रही। वक्ताओं ने मांग की कि भारत सरकार तत्काल कठोर सैन्य और कूटनीतिक कार्यवाही करे तथा कश्मीर घाटी में सक्रिय आतंकी नेटवर्क को जड़ से समाप्त करे। विहिप नेताओं ने चेतावनी दी कि यदि सरकार द्वारा शीघ्र और सख्त कार्रवाई नहीं की गई, तो देशभर में जनाक्रोश और भड़क सकता है। प्रदर्शन के अंत में शहीद यात्रियों की आत्मा की शांति हेतु 2 मिनट का मौन रखा गया और उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

chitranjan1964@gmail.com

दिव्य अग्रवाल

शस्त्र शक्ति के बिना हिन्दुओं का 100 वर्ष तक स्वतंत्र रहना मुश्किल

शस्त्र किसी समस्या का हल नहीं, इस विचार का अनुसरण पलायन के साथ दुर्गति को सुनिश्चित करता है। कल का कश्मीर हो या आज का बंगाल हिन्दू समाज बहुसँख्यक होते हुए भी अल्पसँख्यक विधर्मियों द्वारा पलायन कराया जा रहा है। समस्या तो पूरा मीडिया बता रहा है, पर समाधान पर चर्चा कब? कब तक मजहबी कट्टरवादिता की भेंट चढ़ा जाएगा, कब तक युद्ध को टाला जाएगा ? विधर्मियों की असंतुलित भीड़ का नियंत्रण सिर्फ वैधानिक शस्त्रों से सम्भव है, अब चाहे वो सेना चलाए या हिन्दू समाज अपनी आत्मरक्षा हेतु स्वयं चलाए। दलित हिन्दू समाज के नेता बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर ने पहले ही कहा था कि यदि एक भी मुस्लिम भारत में है, तो विभाजन का कोई महत्व नहीं, कोई सुरक्षा नहीं। आज बंगाल में दलित हिन्दू समाज की दुर्गति पर दलित नेता मौन हैं, क्योंकि

शांतिदूत जिहादी अपना असली रूप दिखा रहे हैं। अब भी समय है वैधानिक शस्त्रों से सभ्य समाज को सशक्त करो, अन्यथा जब भारत की आजादी को 100 वर्ष पूर्ण होंगे, तब हिन्दू आजाद रह पायेगा, या, नहीं यह एक बड़ा प्रश्न है?

कुरान की चर्चा अब भारतीय संसद में भी

शिक्षा से उत्तम, जीवन में कुछ भी नहीं लेकिन यही शिक्षा जब वैमनस्यता का रूप ले ले, तो उससे ज्यादा घातक और भयावह भी कुछ नहीं। कुरान जो इस्लामिक शिक्षा का मुख्य स्रोत है, उसकी कुछ आयतों को लेकर यदा कदा प्रश्न उठते आए हैं, जिसको लेकर विश्व की अनेकों संसदों में चर्चा भी हुई है और कहा गया है कि कुछ आयतें ऐसी हैं, जिनका अनुवाद यदि किया जाए, तो उनसे दूसरे धर्मो के प्रति वैनस्यता जन्म लेगी। इसको लेकर कई वर्ष पूर्व दिल्ली मेट्रोपोलियन कोर्ट ने भी आदेश दिए थे कि ऐसी कोई भी मजहबी शिक्षा, जिनसे हीनियस क्राइम करने की प्रेरणा पोषित हो, उस शिक्षा पर सार्वजनिक चर्चा हो, सुधार हो और आवश्यक हो, तो उन पर प्रतिबंध लगा देना चाहिए, परन्तु वह बात आगे बढ़ नहीं पायी। अब इसी सापेक्ष में भारत की संसद से एक माननीय सांसद ने प्रश्न उठाया है और कहा कि यदि कुरान की उन बातों को हिन्दू पढ़ ले, तो क्या होगा? यह तो हिन्दुओं की भलमनसाई है कि अपने प्रति ऐसी विचारधारा को पोषित होता हुआ देखकर भी मौन है। इसी प्रश्न को लेकर वसीम रिजवी, जिन्होंने इस्लाम मजहब का त्याग कर दिया है, उन्होंने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल की थी कि कानूनी रूप से उन आयतों पर चर्चा हो, लेकिन वह याचिका कोर्ट ने सुनवाई हेतु स्वीकार नहीं की।

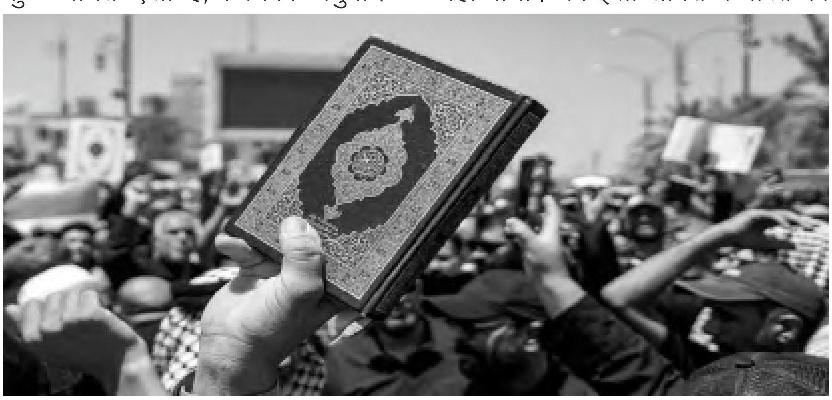

अब प्रश्न यह उठता है कि यदि वास्तव में इसमें सत्यता है, जैसा कि इंटरनेट से भी पढ़ने को आसानी से मिलता है, तो भारत का भविष्य क्या होगा? क्योंकि उन आयतों का प्रभाव वहाँ पर ही क्रियान्वित होगा, जहाँ गैर इस्लामिक समाज है।

divyelekh@gmail.com

कब और कैसे खाएं दही

– वैद्य मनीषा शर्मा

आज के युग में लोगों के आहार –विहार में बहुत तेजी से बदलाव देखने को मिल रहा है। लोग बिना सोचे–समझे और सुनी–सुनाई बातों से प्रभावित होकर अपनी जीवनशैली में परिवर्तन करने लगते हैं, बिना यह जाने कि यह उनके शरीर के लिए उपयोगी है या नहीं। आहार से संबंधित अनेक भ्रांतियाँ फैली हुई हैं। ऐसी भ्रांति दही को लेकर भी है। दही को प्रोबायोटिक गुणों व पोषक तत्वों की पूर्ति के रूप में बहुत प्रचारित किया जाता है। किन्तु दही के आयुर्वेदिक पक्ष पर विचार नहीं किया जाता है और हम दही के गुण धर्म को बिना समझे किसी भी मौसम में किसी भी समय में खा लेते हैं, जिसके कारण कई बार यह शरीर को फायदा पहुँचाने के बजाय नुकसान का कारण बनता है। आयुर्वेदिक सिद्धांत के अनुसार दही स्वास्थ्यवर्धक होता है, लेकिन समय के अनुसार इसका सेवन न करने से यह रोगों को निमंत्रण देने वाला भी है।

सबसे पहले दही के गुण–धर्म को जानते हैं। आयुर्वेद के अनुसार दही में रस–अम्ल (खट्टा), गुण–गुरु (पचने में भारी), वीर्य–उष्ण (गर्म तासीर), विपाक अम्ल कर्म, रोचक (खाने में रुचि बढ़ाने वाला), दीपन (पाचक अग्नि को बढ़ाने वाला), बलवर्धक, बृहण (मोटा करने वाला) जैसे गुण हैं।

उपरोक्त वर्णित गुण धर्म के आधार पर यह बिल्कुल स्पष्ट है कि दही की तासीर गर्म होती है, जबकि लोग यह मानते हैं कि दही ठंडा होता है, जो कि गलत है। दही के विषय में आयुर्वेद की सभी संहिताओं में विस्तृत वर्णन देखने को मिलता है। गाय के, भैंस के, बकरी आदि के दूध से जमे दही के भी गुण अलग–अलग होते हैं। आचार्य वाग्भट्ट जी के अनुसार यदि दही का सेवन अधिक किया जाए, तो ज्वर, रक्तपित्त, विसर्प (चर्म रोग) कुष्ठ, पांडु एवं भ्रम रोग उत्पन्न होते हैं। दही के विभिन्न गुण–कर्मों पर लगातार अनुसंधान हो रहे हैं, जिससे इसकी प्रामाणिकता सिद्ध होती है। एक शोध के अनुसार 2008 में Diabetes Mellitus 2 के 279 रोगियों पर किए गए अनुसंधान से यह पाया गया है कि इनमें से अधिकतर रोगी लगातार दही का सेवन करते थे। अतः यह कहा जा सकता है कि लंबे समय तक दही का सेवन करना Diabetes Mellitus 2 को उत्पन्न करने का एक कारण हो सकता है। यह दही के कफवर्धक गुणों की भी पुष्टि करता है। इसी प्रकार विभिन्न शोधों में यह पाया गया है कि अधिक खट्टा दही के सेवन से अम्ल पित्त (एसिडिटी), जोड़ों में दर्द व सूजन जैसी समस्या होने की संभावना रहती है। दही को नजला, नए जुकाम (नव प्रतिश्याय), अरुचि, पाइल्स, अतिसार, मूत्रकृच्छ (Difficutly in Urination) जैसे रोगों में लाभकारी कहा गया है।

दही से अनेक फायदे होने पर भी इसका लगातार सेवन नहीं करना चाहिए, क्योंकि यह आपके पाचन को प्रभावित कर रक्त विकार, त्वचा विकार, सूजन, मधुमेह जैसे रोगों को उत्पन्न कर सकता है। अतः दही का सेवन विवेकपूर्ण तरीके से करके आप इसका पूर्ण लाभ ले सकते हैं।

ध्यान में रखने वाली बातें :–

1. दही प्रतिदिन नहीं खाना चाहिए।
2. रात में न खाएं दही।
3. दही को गरम करके खाना निषिद्ध है। (आजकल प्रायः रेस्टोरेंट मे खाने के स्वाद को बढ़ाने के लिए ग्रेवी में दही मिलाया जाता है, जो कि गलत है)
4. दही के सेवन का सबसे अच्छा समय वर्षा ऋतु, हेमन्त तथा शिशिर ऋतु है। ग्रीष्म ऋतु, वसंत तथा शरद ऋतु में इसका सेवन नहीं करना चाहिए। (प्रचलन में देखा जाता है कि गर्मियाँ आने पर लोग दही का सेवन भी बढ़ा देते हैं, यह सही नहीं है।)
5. दही का सेवन मूंग की दाल, आंवला, मधु एवं शक्कर के साथ ही करना चाहिए, क्योंकि यह उष्ण वीर्य, अम्ल पाकी तथा कफ–पित्त को बढ़ाने वाला है। अतः पित्तज, रक्तज, कफज रोग से पीड़ित व्यक्तियों को इसका सेवन नहीं / कम से कम करना चाहिए।

पश्चिम बंगाल में अविलम्ब लगाया जाए राष्ट्रपति शासन : विहिप

पटना, 19 अप्रैल, 2025। विश्व हिंदू परिषद द्वारा पश्चिम बंगाल में हिन्दुओं पर हुए हिंसक हमले के विरोध में एक दिवसीय धरना–प्रदर्शन का आयोजन गर्दनीबाग में किया गया। धरना में उपस्थित जन समूह को सम्बोधित करते हुए विश्व हिंदू परिषद क्षेत्र संगठन मंत्री श्री आनंद कुमार ने पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में हुई हिंदुओं की नृशंस हत्या, उपद्रव, आगजनी, हिंसा, लूटपाट और बड़े पैमाने पर पलायन की घटनाओं पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि विरोध प्रदर्शन तो देश भर में होते हैं, लेकिन हिंसा और हिंदुओं पर हमले व्यापक पैमाने पर बंगाल में ही क्यों होते हैं? उन्होंने मुर्शिदाबाद की संपूर्ण घटना की राष्ट्रीय जांच एजेंसी एनआईए से जांच की मांग करते हुए कहा कि मालदा में राहत शिविरों में रहने को मजबूर हिंदू समाज की सहायता के लिए आगे आने वाली संस्थाओं को सेवा से रोकना भी एक अमानवीय कृत्य है।

हिंदुओं पर जगह–जगह हो रहे जिहादियों के हमलों पर मौन साधे राज्य की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी यह तो कहती हैं कि ये हमले पूर्व नियोजित थे, जिनमें विदेशी बाँग्लादेशियों का हाथ है और यह मामला अंतरराष्ट्रीय है किंतु फिर भी वे घटना की NIA से जांच की मांग क्यों नहीं करतीं ? हमारा मानना है कि पीड़ित हिंदुओं को न्याय मिलना चाहिए और हमलावर जिहादियों को

कठोर दंड। जिनकी संपत्ति लूटी गई है, जलाई गई है या खंडित की गई है, उसकी अविलंब भरपाई हो और राज्य में हिंदुओं को सुरक्षा मिले।

मुर्शिदाबाद से मालदा में निर्वासित जीवन जीने को मजबूर हिंदू समाज की दुखती रग पर मरहम लगाने या उन्हें सांत्वना देने की बात तो दूर, सरकार द्वारा उन पीड़ित हिंदू बहन, बेटियों, बच्चों, बुजुर्गों व अन्य लोगों की सहायतार्थ जो समाज सेवी संगठन आगे आए थे, उनको भी खाना, पानी, भोजन या अन्य प्रकार की जीवन की जरूरी सुविधा देने का प्रयास कर रहे थे, उस पर भी शासन का कहर टूट पड़ा। कल से उनको भी सहायता करने से शासन ने मना कर दिया है। वे कहते हैं कि राहत सामग्री हमें दो, हम सामग्री बाटेंगे। यह किस तरह का व्यवहार है? क्या यह मानवीय जीवन मूल्यों से एक खिलवाड़ नहीं! यदि शासन को खुद ही बांटना होता, तो फिर समाज सेवी संस्थाएँ को आगे ही क्यों आना पड़ता ?

श्री आनंद कुमार ने आगे बताया कि पश्चिम बंगाल ममता बनर्जी से नहीं सम्भल रहा है। दिनदहाड़े हिंदुओं पर हमले होना वहाँ के लिए आम बातों के जैसा हो गया है। महामहिम राष्ट्रपति महोदया से विश्व हिन्दू परिषद मांग करती है कि पश्चिम बंगाल में अविलम्ब राष्ट्रपति शासन लागू करें, ताकि वहाँ की जनता में सुरक्षा की भावना पुष्ट की जा सके।

chitranjan1964@gmail.com

फार्म 4 नियम 8

समाचार पत्र का नाम	**हिन्दू विश्व**
समाचार प्त्र की पंजीकरण संख्या	68516/98
भाषा	हिन्दी
प्रकाशन की अवधि	**पाक्षिक**
समाचार प्त्र का फुटकर मूल्य	15 रु. मात्र
प्रकाशक का नाम	**हरिशंकर**
राष्ट्रीयता	भारतीय
पता	संकटमोचन आश्रम, से.–6, रामकृष्णपुरम नई दिल्ली–110 022
मुद्रक का नाम	**हरिशंकर**
राष्ट्रीयता	भारतीय
पता	संकटमोचन आश्रम, से.–6, रामकृष्णपुरम नई दिल्ली–110 022
सम्पादक का नाम	**विजय शंकर तिवारी**
राष्ट्रीयता	भारतीय
पता	संकटमोचन आश्रम, से.–6, रामकृष्णपुरम नई दिल्ली–110 022
मुद्रण स्थान	'रॉयल प्रेस' बी–82, ओखला इंडस्ट्रियल एरिया, फेस–1, नई दिल्ली–110020
प्रकाशन स्थान	संकटमोचन आश्रम, से.–6, रामकृष्णपुरम नई दिल्ली–110 022

मैं हरिशंकर, प्रकाशक, मुद्रक 'हिन्दू विश्व' घोषणा करता हूँ कि उपरोक्त विवरण मेरी जानकारी और विश्वास के अनुसार सत्य है।

हरिशंकर
प्रकाशक–हिन्दू विश्व

08 मई, 2025

जम्मू-कश्मीर में आतंकियों द्वारा हिंदुओं की नृशंस हत्याओं के विरोध में विश्व हिन्दू परिषद, हरिद्वार का विरोध प्रदर्शन

हरिद्वार, 25 अप्रैल 2025। जम्मू कश्मीर के पहलगाम में इस्लामिक जिहादी आतंकियों द्वारा हिंदुओं की धर्म पूछकर की गई नृशंस हत्याओं के विरोध में विश्व हिन्दू परिषद, हरिद्वार ने शंकर आश्रम से पैदल मार्च करते हुए चंद्राचार्य चौक तक विरोध प्रदर्शन किया और पाकिस्तान, इस्लामिक जिहाद और आतंकवाद का पुतला दहन किया।

विश्व हिंदू परिषद के जिला अध्यक्ष बलराम कपूर ने कहा कि हमलावर आतंकियों व उनके पैरोकार पाकिस्तान को सबक सिखाने का काम तो हमारे देश के कर्मठ नेतृत्व ने प्रारंभ कर ही दिया है, अब हमारी भी बारी है कि समस्त देशवासी अपने आसपास पल रहे आस्तीन के जिहादी सांपों को ठीक से पहचान कर, उन्हें बेनकाब कर सुरक्षा बलों को सौंपें। अब सिर्फ हिन्दू नरसंहार की निंदा करने मात्र से काम नहीं चलेगा अपितु हिंसा, आतंकवाद और काफिरोफोबिया के शिकार जहरीले सांपों को बिलों में से निकालकर उनके फन कुचलने होंगे।

बजरंग दल के प्रांत अखाड़ा प्रमुख सौरभ चौहान ने कहा अब खून और पानी का खेल साथ–साथ नहीं चलेगा। भारत में जितने भी पाकिस्तानी नागरिक या पाक परस्त मानसिकता के लोग हैं, उन सभी को सीमा पार खदेड़ना होगा। हमें शासन–प्रशासन और सरकारों के नाक, कान और आँख बनना होगा। हम दोषियों को दंड दिलाने हेतु सरकार के साथ कंधा से कंधा मिलाकर चलने को प्रतिबद्ध हैं।

बजरंग दल के जिला संयोजक अमित मुल्तानिया ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि पाकिस्तान के जिहादियों ने हमारी सहनशीलता और संयम की सारी हदें पार कर दी है। पाकिस्तान को करारा जवाब देने के लिए भारतीय सेना उनके घर में घुस कर सबक सिखाने का काम करे और पहलगाम का बदला ले। देश के अंदर सभी सुरक्षा एजेंसियों को सक्रिय किया जाए। विश्व हिन्दू परिषद हरिद्वार के जिला सहमंत्री दीपक तालियान ने कहा कि पाकिस्तान पोषित आतंकवाद सारी हदें पार कर चुका है, उसकी घिनौनी हरकत की ऐसी सजा होनी चाहिए कि भविष्य में वह ऐसा दुस्साहस करने लायक ही ना बचे। भारत सरकार को पाकिस्तान में पोषित हो रहे आतंकी ठिकानों को तत्काल नष्ट कर देना चाहिए।

पुजारी-भगत सम्मेलन

विश्व हिन्दू परिषद, धर्मप्रसार विभाग जिला आलीराजपुर (मालवा प्रान्त) के तत्वाधान में दिनांक 26/4/25 को दशा माता मंदिर छोटी जुवारी (उदयगढ़) में पुजारी–भगत सम्मेलन का आयोजन किया गया, ग्रामीण इलाकों में ईसाई मिशनरी सोची–समझी साजिश के तहत स्वास्थ्य, शिक्षा व सेवा के नाम पर लगातार धर्मांतरित करने में लगी है। जो हमारी परंपरा को बुरी तरह से प्रभावित करती है और हमारे देवी देवता को न मानना, बाबादेव को न मानना, हमारे त्योहार को नहीं मानना आदि शामिल है।

विहिप मालवा प्रान्त धर्म प्रसार प्रमुख महेश जी काग ने कहा कि धर्मांतरण के खिलाफ हमको मिलकर लड़ना होगा नहीं तो हम अपना अस्तित्व नहीं बचा पाएंगे। किसी भी प्रकार के प्रलोभन में न आए हिन्दू समाज। साथ ही पहलगांव में हिन्दुओं पर हुए आतंकी हमले की कड़ी निंदा की और कहा कि आतंकियों को शरण देने वालों का भी आर्थिक बहिष्कार करना चाहिए।

अगर हमारी आपस की लड़ाई के बाद कोई तीसरा बीच में आए, तो हमको आपसी लड़ाई भूलकर एक होकर लड़ना होगा, धर्म बचेगा, तो, देश बचेगा।

उक्त कार्यक्रम में लगभग 10 गाँव के भगत–पुजारी ग्रामीण जन सहित 560 सँख्या में उपस्थित रहे। उक्त कार्यक्रम का संचालन जिला मंत्री प्रदीप हटीला ने किया

न्यूजीलैंड की हिंदू परिषद ने कश्मीर के पहलगाम में आतंकवादी हमले की कड़ी निंदा की

हिंदू काउंसिल ऑफ न्यूजीलैंड (एचसीएनजेड) भारत के जम्मू–कश्मीर के पहलगाम में हुए भयानक और कायरतापूर्ण आतंकवादी हमले की कड़ी निंदा की, जिसमें निर्दोष हिंदू पर्यटकों को जान बूझकर निशाना बनाया गया था। कई मीडिया स्रोतों के अनुसार, हमलावरों ने क्रूर हिंसा शुरू करने से पहले पीड़ितों से अपने धर्म की पहचान करने को कहा। हम हिंसा के इस संवेदनहीन कृत्य में अपनी जान गंवाने वाले लोगों के परिवारों और प्रियजनों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करते हैं। हमारी संवेदनाएँ और प्रार्थनाएँ उन घायलों और पीड़ितों के साथ हैं। न्यूजीलैंड की हिंदू परिषद पीड़ितों, उनके परिवारों और इस त्रासदी से प्रभावित व्यापक वैश्विक हिंदू समुदाय के साथ पूरी एकजुटता से खड़ी है।

पहलगाम हमला धार्मिक रूप से प्रेरित हिंसा के भयावह पैटर्न को दर्शाता है, जहाँ शांतिपूर्ण नागरिकों को–केवल उनकी आस्था के कारण–भयानक क्रूरता का शिकार होना पड़ा है। हमले की पूर्व नियोजित प्रकृति, जहाँ पीड़ितों को कथित तौर पर अपनी धार्मिक पहचान का खुलासा करने के लिए कहा गया था, हिंदुओं को व्यवस्थित रूप से निशाना बनाने को उजागर करता है–जो पिछले अत्याचारों की एक परेशान करने वाली गूंज है। यह सिर्फ व्यक्तिगत जीवन पर हमला नहीं है, बल्कि धर्म की स्वतंत्रता, विविधता और मानवीय गरिमा के सार्वभौमिक मूल्यों पर हमला है। यह एक अनुस्मारक भी है कि धार्मिक उग्रवाद और आतंक न केवल भारत में बल्कि दुनियाँ भर में शांति और सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण खतरा बने हुए हैं। दुनियाँ भर में हिंदू समुदाय शोक में हैं। सनातन धर्म की समृद्ध विरासत में निहित एक प्रवासी के रूप में, जो अहिंसा, करुणा और वसुधैव कुटुंबकम (दुनियाँ एक परिवार है) सिखाता है, हम इस बात से बहुत दुखी हैं कि इस तरह की नफरत निर्दोष लोगों की जान ले रही है।

हिंसा का यह कृत्य हालांकि हजारों किलोमीटर दूर है, यहाँ एओटेरोआ में समुदायों को गहराई से प्रभावित करता है। प्रभावित क्षेत्र और परिवारों के साथ पारिवारिक संबंध हो सकते हैं, हालाँकि इन पारिवारिक संबंधों से परे, साँझा मानवीय दुःख भी हैं, जो ऐसे कृत्यों से उत्पन्न होता है। न्यूजीलैंडवासियों के रूप में, हम नफरत के कृत्यों से होने वाले दर्द और आघात को अच्छी तरह से समझते हैं। यह महत्वपूर्ण है कि हम आतंकवाद, घृणा और धार्मिक असहिष्णुता को उनके सभी रूपों में अस्वीकार करने के लिए समुदायों, सँस्कृतियों और पंथों से परे एक साथ खड़े हों।

आतंकवाद के खिलाफ वैश्विक एकता का आह्वान – न्यूजीलैंड की हिंदू परिषद अंतरराष्ट्रीय समुदाय–सरकारों, बहुपक्षीय संगठनों, मानवाधिकार समूहों, धार्मिक सँस्थानों और नागरिक समाज से हिंसा के ऐसे कृत्यों के खिलाफ स्पष्ट रुख अपनाने का आग्रह करती है। राजनीतिक या वैचारिक उद्देश्यों के आधार पर आतंकवाद को कभी भी तर्कसंगत, उचित या सापेक्ष नहीं बनाया जाना चाहिए। नागरिकों के विरुद्ध किसी भी प्रकार की हिंसा, विशेषकर जब धार्मिक या जातीय घृणा से प्रेरित हो कि यथासंभव कड़े शब्दों में निंदा की जानी चाहिए।

hinducouncilnz.secretary@gmail.com

कालकाजी पीपल्स फाउंडेशन द्वारा २६ बेकसूर नागरिकों को श्रद्धांजलि व आतंकवाद के खिलाफ सशक्त संदेश

नई दिल्ली, 23 अप्रैल 2025। कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल, 2025 को हुए बर्बर आतंकी हमले में 26 निर्दोष भारतीय पर्यटकों की निर्मम हत्या के विरोध में और मृतकों को श्रद्धांजलि अर्पित करने हेतु आज कालकाजी क्षेत्र में 'कालकाजी पीपल्स फाउंडेशन' द्वारा कैंडल लाईट मार्च निकाला गया, जिसमें बड़ी सँख्या में स्थानीय निवासियों ने भाग लिया और आतंकवाद के खिलाफ अपनी आवाज उठायी। यह आयोजन फाउंडेशन के मुख्य संरक्षक श्री कपिल गर्ग के नेतृत्व में शाम 6:30 बजे से किया गया, जिसकी शुरुआत श्री दुर्गा माता मंदिर, गोविन्दपुरी से होते हुए गोविन्दपुरी मेट्रो स्टेशन तक पहुँची। इस मार्च में लगभग 150–160 स्थानीय निवासी, सामाजिक कार्यकर्ता, वरिष्ठ नागरिक, महिलाएँ और युवा छात्रों ने हिस्सा लिया। यह आयोजन शांति, एकजुटता और आतंकवाद के विरुद्ध जन–जागरूकता का प्रतीक है।

22 अप्रैल, 2025 को जम्मू–कश्मीर के लोकप्रिय पर्यटन स्थल पहलगाम में पर्यटकों पर किया, यह आतंकी हमला, लश्कर–ए–तैयबा के मुखौटा 'द रेजिस्टेंस फ्रंट (TRF)' ने किया था। इस आतंकी हमले से समूचे देश में शोक और आक्रोश की लहर फैल गई। यह हमला न केवल निर्दोष नागरिकों की हत्या है, बल्कि यह भारत की सार्वभौमिकता, एकता और लोकतंत्र के खिलाफ एक घिनौना हमला है, इससे समूचे देश की आत्मा आहत हुई है।

कालका जी पीपल्स फाउंडेशन के चीफ पैटर्न श्री कपिल गर्ग ने कहा कि यह मार्च केवल श्रद्धांजलि नहीं है, यह एक जन–जागरण है, हर नागरिक आतंक के विरुद्ध एक आवाज बने। हम भारत सरकार से आग्रह करते हैं कि इस हमले के जिम्मेदार आतंकियों और उनके मददगारों पर कठोर से कठोर कार्यवाही की जाए ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

kalkajipeoplesfoundation2@gmail.com
deepakmishravhp@gmail.com

पहलगांव हमले को लेकर राजसमंद में आक्रोश प्रदर्शन

राजसमंद। जम्मू–कश्मीर के पहलगाम में आतंकी हमले में धर्म पूछ कर मारे गए पर्यटकों को लेकर देशभर में गुस्सा है। राजसमंद में भी सर्व हिन्दू समाज के बैनर तले मशाल जुलूस निकाला गया। जुलूस मुखर्जी चौराहे, छतरियाँ, जे.के. मोड़, चौपाटी, बस स्टैंड, भगवान दास मार्केट, जलचक्की, सुभाष नगर, किशोर नगर, मंडा, कलालवाटी, गणेश चौक, सदर बाजार होते हुए पंडित दीनदयाल उपाध्याय सर्कल राजनगर पहुँची, जहाँ सब्जी मंडी के बाहर मुस्लिम आतंकवादी का पुतला फूंक कर हमले में शहीद हुए पर्यटकों के लिए दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि दी। सर्व हिन्दू समाज ने रोष प्रकट करते हुए आतंकियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने की मांग करते हुए कहा कि हम, भारत के जागरूक नागरिक अत्यन्त वेदना, क्रोध और राष्ट्रीय स्वाभिमान के साथ प्रधानमंत्री को ज्ञापन भेज रहे हैं। पहलगाम की पवित्र धरती पर जो अमानवीय, बर्बर और योजनाबद्ध नरसंहार किया गया है, उसने सम्पूर्ण भारत को झकझोर दिया है। धर्म पूछकर, कपड़े उतरवाकर, जबरन कलमा पढ़वाकर और फिर पॉइंट जीरो से हिन्दू नागरिकों को गोली मार देना, यह केवल एक आतंकी घटना नहीं, बल्कि यह एक सुनियोजित धार्मिक नरसंहार है। इस अमानवीय कृत्य को अंजाम देने वाले पाकिस्तान द्वारा प्रशिक्षित और भेजे गए जिहादी मुस्लिम आतंकवादी थे। यह हमला केवल पहलगाम या कश्मीर पर नहीं हुआ, यह भारत की आत्मा पर हमला है। अब समय आ गया है कि भारत भी अमेरिका और इजराइल की तरह निर्णायक कार्यवाही करे। हथियार, परेड और शस्त्र दिखावे के लिए नहीं होते। हम निवेदन करते हैं कि अब समय आ गया है कि देश के करदाताओं के धन से खरीदे गए हथियारों का इस्तेमाल पाकिस्तान व आंतकवादियों को यम के द्वार पहुँचाने के लिए किया जाए। हम केवल शांति की नहीं, सुरक्षा और सम्मान की भी उम्मीद करते हैं। अब अगर भारत चुप रहा तो यह चुप्पी इतिहास में कमजोरी कहलाएगी। पूरा देश आपकी ओर देख रहा है, अब सेना को फ्री हैण्ड और आदेश दो की युद्ध होगा, और आखिरी होगा, राफेल उठाओ, मिसाइल चलाओ और दुश्मन के घर में घुसकर खात्मा करो। मशाल जुलूस में बड़ी सँख्या में हिन्दू समाज की मातृशक्ति, युवाशक्ति व सज्जनशक्ति उपस्थित थी।

paliwalnilesh038@gmail.com

धर्मप्रसार इंद्रप्रस्थ क्षेत्र कार्यकर्ता वर्ग बाबा कैलख देवस्थान, बनतालाब, जम्मू-कश्मीर

26, 27 अप्रैल 2025 क्षेत्र वर्ग में पाँच प्रांतों में से चार प्रांतों के कार्यकर्ता उपस्थित रहे। बैठक के उद्घाटन अवसर पर पूज्य संत सुदबोध गिरि जी हरियाणा, कुलदीप जी महाराज जम्मू, श्री सुधांशु जी पटनायक, श्री मुकेश जी खांडेकर द्वारा द्वीप प्रज्ज्वलन कर बैठक का शुभारंभ हुआ।

उद्घाटन सत्र में दायित्व बोध विषय पर क्षेत्र संगठन मंत्री द्वारा सभी कार्यकर्ताओं को मार्गदर्शन मिला। शेष आठ सत्रों में प्रांत के मानचित्र द्वारा, प्रांत की वस्तु स्थिति से अवगत करवाया तथा वर्षभर की प्रांत के काम की योजना क्या है, विस्तार से सभी के सामने प्रांतों ने बतायी। अपने प्रांत में मतांतरित होने वाला समाज कौन सा है, हम से चुरा लिया गया, या हम से छीन लिया गया समाज कौन सा है। उन पर भी विस्तार से चर्चा हुई। जो बन्धु मूल धारा में आ गये, उन्हें समाज द्वारा स्वीकार्यता व समाज में समरस करने हेतु हमारा प्रयत्न क्या है? इस पर भी सभी प्रांतों ने जानकारी दी।

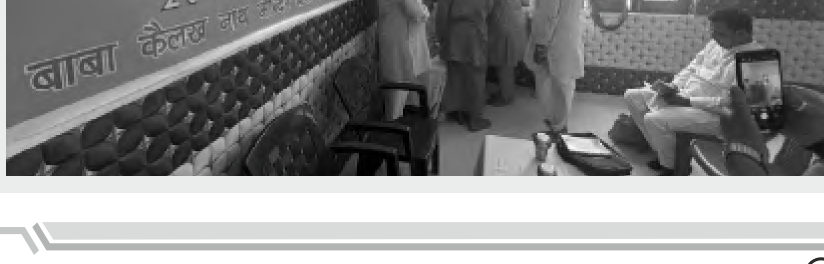

धर्मरक्षक का महत्व अपने काम के लिए क्या है ? वह समाज में से वानप्रस्थी कार्यकर्ताओं पर ध्यान देकर अपने इस कार्य में सक्रिय करें। श्रेणीशः बैठक, जिसमें प्रांत प्रमुख, सहप्रमुख व निधि प्रमुख की बैठक श्री सुधांशु जी द्वारा विषय (प्रवास प्रशिक्षण ट्रस्ट) दूसरी श्रेणी श्री गुलाब सिंह जी द्वारा संत, प्रशासनिक, परियोजना, परावर्तन पर विस्तार से चर्चा कर वर्षभर की योजना बनायी गयी।

jansewa@gmail.com

दो दिवसीय कार्यकर्ता अभ्यास वर्ग

विश्व हिंदू परिषद क्षेत्रीय कार्यालय भारत माता मंदिर जयपुर में सम्पन्न हुए दो दिवसीय कार्यकर्ता अभ्यास वर्ग में विहिप धर्मप्रसार प्रांत प्रमुख सी.एम. भार्गव ने सुभाष व्यास को प्रांत सह परावर्तन प्रमुख मनोनीत किया। दो दिवसीय अभ्यास वर्ग का शुभारंभ विहिप के क्षेत्रीय संगठन मंत्री राजाराम, प्रांत मंत्री राधेश्याम गौतम एवं धर्मप्रसार प्रांत प्रमुख सीएम भार्गव ने भारत माता एवं रामदरबार के चित्र के समक्ष दीप प्रज्जवलन कर किया। दिनभर विभिन्न विषयों के तीन सत्रों के बाद रात्रि को सत्संग अभ्यास वर्ग के बाद भारत माता की आरती एवं जय घोष के बाद प्रथम दिन की दिनचर्या की समाप्ति के बाद आज प्रातः 5 बजे जागरण के साथ आज के सत्र का प्रारंभ विहिप के केंद्रीय सह मंत्री एवं धर्मप्रसार के अखिल भारतीय सह प्रमुख आनंद प्रकाश गोयल, प्रांत विहिप मंत्री राधेश्याम गौतम, धर्मप्रसार क्षेत्रीय मंत्री कैलाश जायसवाल एवं धर्मप्रसार प्रांत प्रमुख सीएम भार्गव ने भारत माता एवं राम दरबार के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन कर किया।

समापन सत्र में गोयल ने कार्यकर्ताओं को संगठन की रीति नीति की पालना करते हुए अपने क्षेत्रों में हिंदू धर्म की रक्षा व संरक्षण के लिए कार्य करने का आह्वान किया। अभ्यास वर्ग में विश्व हिंदू परिषद के केंद्रीय सह मंत्री एवं धर्मप्रसार के अखिल भारतीय सह प्रमुख आनंद गोयल, प्रांत मंत्री राधेश्याम गौतम, धर्मप्रसार क्षेत्रीय मंत्री कैलाश जायसवाल, क्षेत्रीय संगठन मंत्री राजाराम का पाथेय प्राप्त हुआ, जिसमें विश्व हिंदू परिषद और धर्मप्रसार के कार्यों और उद्देश्यों के बारे में बताया गया। इस अवसर पर धर्मप्रसार में नए दायित्व दिए गए, जिसमें प्रांत टोली सदस्य योगेंद्र कुंडलवाल को प्रांत परियोजना सह प्रमुख और अजय सिंह राठौड़ को झुंझुनूं जिले का धर्मप्रसार जिला प्रमुख का दायित्व दिया गया। इसके अलावा अन्य जिलों के धर्म प्रसार जिला प्रमुख भी बनाए गए।

bajrangdaljjn@gmail.com

विश्व हिन्दू परिषद जिला कार्यालय अशोक भवन का लोकार्पण हुआ'
सेवा और संस्कारों का केंद्र होगा यह कार्यालय : परांडे

'गंज बासौदा।' बालाजी नगर सिद्धेश्वर हनुमान मंदिर के पास स्थित विश्व हिन्दू परिषद के नव निर्मित जिला कार्यालय अशोक भवन का लोकार्पण अक्षय तृतीया पर प्रातः 10.30 बजे कन्या पूजन, शिलापट्ट अवलोकन के साथ किया गया। इस अवसर पर आयोजित सभा को संबोधित करते हुए केंद्रीय संगठन महामंत्री मिलिंद परांडे ने कहा कि महान हुतात्मा अशोक सिंघल के नाम पर बना यह कार्यालय सेवा और सँस्कारों का केंद्र बनेगा। इस कार्यालय में आगामी समय में सामाजिक, धार्मिक गतिविधियाँ संचालित होंगी, जिसका लाभ हिन्दू समाज को मिलेगा, ऐसी सभी की शुभकामनाएँ हैं।

नौलखी खालसा के श्री महंत राम मनोहर दास महाराज ने कहा कि स्व. अशोक सिंघल राम जन्मभूमि आंदोलन के पुरोधा रहे हैं। उनके समय में आंदोलन ने गति पकड़ी थी और उन्हीं की रणनीति का परिणाम है कि आज अयोध्या में राम मंदिर बनकर तैयार हो गया है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे पूर्व केंद्रीय सह मंत्री राजेश तिवारी ने कहा कि विश्व हिन्दू परिषद का यह भवन निश्चित रूप से समाज जागरण का केंद्र बनेगा और हिंदुत्व की विचारधारा प्रबल होगी। प्रांत मंत्री राजेश जैन ने बताया कि विश्व हिन्दू परिषद जिला कार्यालय के निमित्त पूर्व केंद्रीय सह मंत्री राजेश तिवारी ने अपनी स्व. माँ प्रेमवती तिवारी की पुण्य स्मृति में भूमि दान स्वरूप दी है।

इस अवसर पर गंज हनुमान मंदिर के महंत महेश्वर दास त्यागी, क्षेत्र संगठन मंत्री जितेंद्र पंवार, प्रांताध्यक्ष के. एल शर्मा, प्रांत समरसता प्रमुख सुनील यादव, जिलाध्यक्ष संदीप नेमा मंचासीन थे। कार्यक्रम में प्रांत संगठन मंत्री सुरेंद्र सिंह, प्रांत सह मंत्री मलखान सिंह ठाकुर, विभाग मंत्री दौलत लौंगवानी उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन जिला मंत्री अभिषेक शर्मा गुरूजी ने किया तथा आभार प्रदर्शन विशेष संपर्क प्रमुख नितिन सक्सेना ने किया। कार्यक्रम के दौरान बड़ी सँख्या में विश्व हिन्दू परिषद–बजरंग दल कार्यकर्ता, विचार परिवार के पदाधिकारी, गणमान्य नागरिक, पत्रकार बंधु एवं मातृशक्ति उपस्थित थीं। कार्यक्रम के दौरान कार्यालय के लिए सहयोग करने वाले विशिष्ट सहयोगियों का सम्मान भी किया गया।

sharmabhishek.guruji99@gmail.com

हिंदू महिला मंच ने रोटोरुआ में हनुमान जन्मोत्सव का आयोजन किया

शनिवार, 12 अप्रैल 2025 को हिंदू महिला मंच (एचडब्ल्यूएफ) ने इस वर्ष गर्व से हनुमान जयंती समारोह का नेतृत्व किया। रोटोरुआ में हिंदू विरासत केंद्र, समुदाय को भक्ति, शक्ति और एक साथ ला रहा है। यह उत्सव अटूट भक्ति, साहस और निस्वार्थ सेवा का प्रतीक है। इस वर्ष का उत्सव अद्वितीय है, क्योंकि इसका समन्वयन पूरी तरह से एचडब्ल्यूएफ की समर्पित महिलाओं द्वारा किया गया था, जो उनके कार्यों को उजागर करता है। महिलाओं की समुदाय के भीतर साँस्कृतिक नेतृत्व और आध्यात्मिक सेवा में बढ़ती भूमिका है। कार्यक्रम में भजन, कीर्तन, पाठ सहित एक जीवंत और भक्तिपूर्ण कार्यक्रम तथा हनुमान चालीसा, आरती एवं प्रसाद के साथ समापन हुआ। हनुमान जयंती समारोह की समन्वयक नीरू वोहरा ने कहा "हनुमान जी हमें प्रेरणा देते हैं। हनुमान जन्मोत्सव हमारी आंतरिक शक्ति और सामूहिक एकता का प्रतिबिंब है। अपने परिवारों और समुदायों की प्रेम, साहस और विनम्रता के साथ सेवा करें – वे मूल्य जो गहराई से मेल खाते हैं।

सभा में रोटोरुआ भर के परिवारों की भागीदारी देखी गई, जिसमें उपस्थित लोगों ने अपने विचार व्यक्त किए। आध्यात्मिक रूप से उत्थानकारी और सुव्यवस्थित आयोजन पर खुशी व्यक्त की।

hinducouncilnz.secretary@gmail.com

हिंदुओ में शौर्य का जागरण करना ही बजरंग दल का मुख्य कार्य - नीरज दौनेरिया

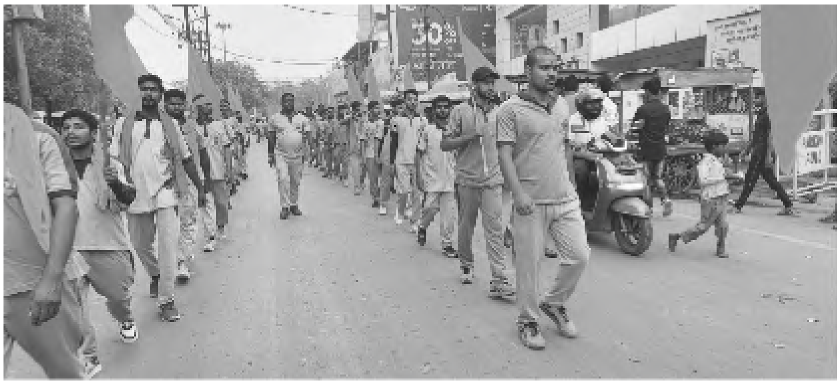

पटना, 27 अप्रैल। पटना स्थित बिहार चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के सभागार में विश्व हिंदू परिषद की युवा इकाई, बजरंग दल द्वारा वीर बजरंगी धर्म सभा का आयोजन किया गया। इसके उपरांत एक भव्य वीर बजरंगी यात्रा निकाली गई, जो कारगिल चौक, एक्जीबिशन रोड, डाकबंगला चौक, आयकर गोलम्बर होते हुए अदालत गंज में संपन्न हुई। यात्रा में हजारों बजरंग दल के कार्यकर्ता अपने गणवेश में शामिल हुए। कार्यक्रम में उपस्थित विहिप के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. आर. एन. सिंह ने कहा कि हिंदू समाज अत्यंत सहनशील है, किंतु हमें यह समझना चाहिए कि सहनशीलता की भी एक सीमा होती है। जब सहनशीलता कायरता में बदलने लगे, तब आवश्यकता है कि हम छत्रपति शिवाजी महाराज जैसे वीर महापुरुषों को आदर्श मानकर अपने शौर्य और पराक्रम से चुनौतियों का डटकर सामना करें। बजरंग दल इस कार्य को वर्षों से पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ कर रहा है।

बजरंग दल के राष्ट्रीय संयोजक श्री नीरज दौनेरिया ने कहा कि हाल के दिनों में आतंकवादियों ने कायरतापूर्ण ढंग से हिंदुओं की पहचान कर उनकी निर्मम हत्या की है, जिसे पूरे देश ने देखा है। अब समय आ गया है कि ऐसे अत्याचारियों का जड़ मूल से नाश किया जाए। भारत की शक्ति दुश्मनों को विश्व के किसी भी कोने में जाकर समाप्त करेगी। श्री दौनेरिया ने बताया कि बजरंग दल अपनी स्थापना काल से ही हिंदू युवाओं में शौर्य का जागरण करता आ रहा है। छत्रपति शिवाजी महाराज और महाराणा प्रताप जैसे महापुरुषों के आदर्शों को आत्मसात कर, हिंदुत्व की रक्षा और प्रचार–प्रसार करना बजरंग दल का मुख्य ध्येय है। 'सेवा, सुरक्षा और संस्कार' – इन्हीं तीन ध्येय वाक्यों के आधार पर बजरंग दल अपने सभी कार्यों का निष्पादन करता है।

उन्होंने आगे कहा कि बजरंग दल ने हजारों भूले–भटके बंधुओं का परावर्तन कराया है और लव जिहाद के चंगुल से अनेक बहनों को मुक्त कराकर उनके पुनर्वास में सहायता प्रदान की है। साथ ही प्रत्येक वर्ष लाखों गौवंश की रक्षा का कार्य भी करता आया है। देशभर में कहीं भी हिंदुओं पर हो रहे अत्याचारों के विरोध में बजरंग दल अपनी आवाज बुलंद करता है और विधर्मियों को सशक्त चुनौती देता है।

कार्यक्रम में अनेक सँस्थाओं ने सेवा प्रदान की। कैट संगठन ने विभिन्न स्थानों पर पुष्पवर्षा व जूस वितरण की व्यवस्था की, वहीं आशीर्वाद सेवा ट्रस्ट द्वारा जलपान की व्यवस्था की गई।

chitranjan1964@gmail.com

हिंदू हेरिटेज सेंटर में श्री राम जन्म महोत्सव आयोजित

हिंदू एल्डर्स फाउंडेशन, न्यूजीलैंड की हिंदू परिषद का एक प्रभाग हिंदू हेरिटेज सेंटर में तीन दिवसीय श्री राम जन्म महोत्सव 4 से 6 अप्रैल 2025 तक आयोजित किया गया। धर्म के आनंदमय उत्सव में भक्तों, परिवारों और समुदाय के नेताओं को एक साथ लाया गया।

4 और 5 अप्रैल को सायंकालीन सत्र में 7.30 बजे से 9.00 बजे तक भावपूर्ण रामायण पाठ प्रस्तुत किया गया। रोटोरुआ फिजी के प्रेरक श्री हेम चंद और समूह के नेतृत्व में आरती, भजन और कीर्तन भारतीय समुदाय द्वारा किया गया। उनकी मर्मस्पर्शी प्रस्तुतियों ने भक्ति की अलख जगाई और आकर्षण बढ़ता गया। प्रत्येक शाम उपस्थित लोगों की सँख्या, अंतिम दिन के भव्य आयोजन के लिए एक आदर्श आध्यात्मिक स्वर स्थापित करती है। एक भव्य समापन : श्री राम के जन्म का उत्सव रविवार, 6 अप्रैल को सुबह 10.30 बजे से दोपहर 1.00 बजे तक मनाया गया। इसमें निरंतर रामायण पाठ, हनुमान चालीसा पाठ, पारंपरिक झूला उत्सव शामिल हैं। आरती, भक्ति गायन और नृत्य, हवन, रामायण आरती के साथ कार्यक्रम सम्पन्न हुआ।

विद्या वासुदेवन, नीरू वोहरा और सरोज सलूजा ने दिव्य माहौल को बढ़ाते हुए तीन मधुर भजन प्रस्तुत किए। इसके बाद बालक राम दरबार की अगुवाई में शोभा यात्रा निकाली गई। हेरिटेज सेंटर के आसपास, उपस्थित लोग श्री राम भजन गाते हुए शामिल हुए। कार्यक्रम का समापन लोगों द्वारा महाप्रसाद (सामुदायिक दावत) के वितरण के साथ हुआ। एकता और कृतज्ञता की भावना से भोजन और संगति सांझा करने के लिए एकत्र हुए। इस वर्ष के त्योहार ने न केवल राम नवमी के आध्यात्मिक महत्व पर प्रकाश डाला, बुराई पर अच्छाई की तथा महिलाओं की अधिक भागीदारी को भी प्रोत्साहित किया।

hinducouncilnz.secretary@gmail.com

अब जिहादी आतंकवाद के सफाए और पाक अधिकृत कश्मीर की मुक्ति का सही समय : आलोक कुमार

नई दिल्ली, 25 अप्रैल, 2025। पहलगाम में हुए आतंकी हमले के विरुद्ध विश्व हिंदू परिषद व बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने आज देशव्यापी विरोध प्रदर्शन कर जिहादी आतंकवाद और पापीस्तान (पाकिस्तान) का पुतला दहन किया। देश भर में हजारों स्थानों पर हुए इन विरोध प्रदर्शनों में लाखों की सँख्या में घटना से मर्माहत लोगों ने आक्रोशित स्वर में जिहादी आतंकवाद व पापी पाकिस्तान की काफिरोफोबिया से ग्रसित मानसिकता का समूल नाश करने का संकल्प व्यक्त किया।

दिल्ली के जंतर–मंतर पर हुए एक विरोध प्रदर्शन में विश्व हिंदू परिषद के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष श्री आलोक कुमार ने कहा कि अब समय आ गया है कि दुनियाँ को पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद से मुक्त कर, पाक अधिकृत कश्मीर को जिहादी चंगुल से छुड़ा कर, पुनः भारत में मिलाया जाए। कश्मीरी लोगों की समृद्धि पर्यटन पर आधारित है और इस घटना के माध्यम से उसके पर्यटन उद्योग को समाप्त कर घाटी को दिवालिया घोषित करने के जो षड्यंत्र रचे गए हैं, वे सफल नहीं होंगे।

उन्होंने कहा कि अब इस घटना को लेकर भारत सरकार के कड़े कूटनीतिक कदमों और आतंकवाद को निरंतर पल्लवित व पोषित करने के कारण नापाक पाकिस्तान संपूर्ण विश्व में अब पूरी तरह से अलग–थलग पड़ गया है। भारत, पाकिस्तान समेत सम्पूर्ण विश्व में भारत विरोधी किसी भी ढांचे को पूरी तरह से समाप्त करने में सक्षम है। खुली चेतावनी देते हुए उन्होंने यह भी कहा कि अब पाकिस्तान अपने कुकर्मों का दंड भुगतने को तैयार रहे। प्रदर्शनकारियों को बजरंग दल के राष्ट्रीय संयोजक श्री नीरज दौनेरिया ने भी संबोधित किया।

हरियाणा के रोहतक में प्रदर्शनकारियों को संबोधित करते हुए विश्व हिंदू परिषद के केंद्रीय संयुक्त महामंत्री डॉ. सुरेंद्र जैन ने कहा कि पहलगाम की घटना सिर्फ एक सामान्य आतंकवादी हमला नहीं, बल्कि देश की संप्रभुता तथा हिंदू समाज के समक्ष एक बड़ी चुनौती है। अब सीमा पार की लड़ाई तो सरकार ने लड़नी शुरू कर दी है और देश को विश्वास है कि उसके अपेक्षित परिणाम भी शीघ्र देखने को मिलेंगे, किंतु अंदर के युद्ध के लिए सम्पूर्ण हिंदू समाज व राष्ट्रवादी शक्तियों को एकजुटता के साथ तैयार रहना होगा। उन्होंने कहा कि स्थानीय सहयोग व समर्थन के बिना कोई आतंकी इस प्रकार की घटना को नहीं कर सकता। ऐसे में हम सभी भारतवासियों का कर्तव्य है कि हम अपने आसपास पल रहे आस्तीन में सांपों को अविलंब बाहर निकाल कर देश के सुरक्षा बलों के हाथ मजबूत करें और स्वयं के साथ देश को भी सुरक्षित बनाएँ।

देश में सैकड़ों स्थानों पर हुए इन विरोध प्रदर्शनों में "पाकिस्तान मुर्दाबाद" "पाकिस्तान हाय हाय" "आतंकवाद समाप्त करो" "हिंदुओं का नरसंहार, नहीं सहेंगे नहीं सहेंगे" जैसे नारे लगाते हुए देश के सभी मत, पंथ, संप्रदायों व राष्ट्रवादी विचारों के बुद्धिजीवियों व सामाजिक, धार्मिक और साँस्कृतिक संगठनों के प्रमुख लोगों ने भी हिस्सा लिया। सभी की एक ही मांग थी कि अब बहुत हो चुका, देश से जिहादी आतंकवाद का समूल नाश तथा नापाक पाक को कठोर सबक सिखाया जाना बहुत जरूरी है।

vinodbansal01@gmail.com

बाबा कैलख देवस्थान बनतालाब जम्मू कश्मीर में धर्मप्रसार इंद्रप्रस्थ क्षेत्र के कार्यकर्ता वर्ग में उपस्थित धर्मप्रसार के अ.भा. प्रमुख सुधांशु मोहन पटनायक जी तथा क्षेत्र व प्रांत के पदाधिकारी

जयपुर में विश्व हिंदू परिषद के क्षेत्रीय कार्यालय भारत माता मंदिर में धर्मप्रसार के दो दिवसीय कार्यकर्ता अभ्यास वर्ग में उपस्थित विहिप के केन्द्रीय, क्षेत्रीय व प्रांतीय पदाधिकारी

न्यूजीलैंड की हिंदू परिषद के एक प्रभाग हिंदू हेरिटेज सेंटर में तीन दिवसीय श्री राम जन्मोत्सव का आयोजन हुआ

हिंदू महिला मंच ने रोटोरुआ में हनुमान जन्मोत्सव का आयोजन किया

पटना। बिहार के अनेक जिलों में पश्चिम बंगाल में राष्ट्रपति शासन लगाए जाने की मांग को लेकर विहिप का प्रदर्शन

"LPC DELHI, DELHI PSO, DELHI RMS, DELHI-6

email:hinduvishwa@gmail.com
website: www.vhp.org

Postal Regd. No. DL-SW-01/4031/24-26
समाचार पत्र पंजी. सं. 68516/98
प्रकाशन तिथि : 13.05.2025
प्रेषण तिथि : 14-15 (अग्रिम-पाक्षिक)

प्रकाशक व मुद्रक हरिशंकर द्वारा सचिव, साहित्य एवं दृक्श्राव्य सेवा न्यास की ओर से 'रॉयल प्रेस' बी–82, ओखला इंडस्ट्रियल एरिया फेस–1, नई दिल्ली–110020 से छपवाकर संकटमोचन आश्रम, सेक्टर–6, रामकृष्णपुरम्, नई दिल्ली–22 से प्रकाशित। सम्पादक : विजय शंकर तिवारी